

श्री गणेशाय नमः ॥ यथासाक्षात्प्राप्तं तद्वत्तु ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

2.533

ॐ क न्नाथाहो ॥ **सूर्य्य** ॥ ॥ अहमन्ति अरुवस्यवह अरु कनह ॥
मन्ति ॥ ॥ अहमहनाज अरुवस्य ॥ ॥ धनमन्ति विष्णम ॥ **सूर्य्य** ॥
अहहानचैखकाव्याल ॥ ॥ धनकाव्याल ॥ ॥ हानचैख ॥
अहमहनाजका अहहानहमनायुधम ॥ **सूर्य्य** ॥ ॥ अह
हानचैखकाव्यालपूनाहिममनिष्ठत्रःवाला ॐ ल्याउ ॥ ॥
हानचैख ॥ ॥ अहमहनाज अरुवस्यमनायुधम ॥ ॥ धनहान
चैखकाव्याल ॥ ॥ हानचैख ॥ ॥ गजनपृथमहनाजका अह

जीवशाङ्ग ॥ १ ॥ सुजा
खा २ पुमात्रिद्यनह
त्रिदखात्रहाशङ्ग
हजषत्रहज ॥ ३ ॥
महापुत्रनहह
काजाङ्गसुवहमाज

नमः॥ सर्व॥ अहादान
कासिंहास नहमाज
सर्वविष्णुमवाहा
कशानन्द साहिना
सर्व॥ अहादानवत्रा
जाऊडांस॥ यागा प

७
५
५
५

प्रकाशं॥द्विकामसर्वं॥अह
वाह॥अहपुत्रादिग
नसर्वदुःखं॥लु३॥पू३
अथगुतीयनादिम॥
६।नायक००रुगा
किनाथ॥॥गोपिय

५
प
७
५

ॐ क न प्रि ह व न ङ्गी ॐ न

त ऊ न प्रि षा ल क म न

नाथ कि ॐ ॐ न

क ॐ ॐ न नाथ ॥

श वि ॐ म ॥ ना न द ॥

व ह म ला क गं ग म म न

सो॥ अहाम्नि जातु -

कातुं द्वि कांदा सो॥ अहाम्नि

मनि॥ अहादा ग्म कृ

तिथ॥ म८ ध्वा नात्र

अवह मलाक गंगे

नन्द सोम्रा नम ध्वा

मन्त्रिनाङ्गुवम्भ॥ यन्त्र
मन्त्रिनगंगमयास्तुतिम्भ॥ क
निष्पन्नास्तुतिनाम्भ॥
यातिगंगमयास्तुतिम्भ॥
मिपुत्र्य॥ नृन्नीगंगम
नहं॥ सर्वदम्भ॥

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

प्रकांदि काडंडुडां॥ लु॥ थन
नथं हथुमा॥ नाग॥ आसाड
प्रकांदि कांडुमल चहं॥
श्रवहमला कअं तप
आमक नतह॥ सर्व
थन सर्व वि० आस उर

नरेव लन जात हं आर्यपरा जा ॥
कसिष्ठ आर्यिय ॥ उखा ॥ अर्यो
सखीचलिय ॥ साव्य ॥ अर्यो
उखासखिवनविहाजडांति
अर्यो जाऊकु मायिसिष्ठ
रिय अर्यव ॥ अर्योचलिय ॥

थनना नद वृक्ष लाक भू हं

ला दा ज धी ज ॥ प्र को दि व

म व ह म ला क वृक्ष ला

म म क ज ग हं ॥ दा स ॥

वि म की ऊ ॥ स र्वा त्रि म

हा दा भ क त्रि या व नि या म

भाऊयायवलिथ॥ दाहा॥ मरुती
विऊकीऊ॥ मूनिमवद॥
दिफाउ॥ सवशंत्त॥ थनउर
पंप्रकादिफाउंम॥ थउवा॥
लखाअवहमलाकनम
अनंदसांडकूलनकिरिह

श्री १०८

श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ वसुदेवाय नमः ॥ ॥ वसुदेवाय नमः ॥
लिखितं वासुदेवाय नमः ॥ लिखितं वासुदेवाय नमः ॥
हि लिखितं वासुदेवाय नमः ॥ हि लिखितं वासुदेवाय नमः ॥
य ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥

नृपय २ हा गम डा त सुन नु । व क्रम
हा डा ग म आ ऊ ॥ वे ध ऊ न को ॥ ना
वन २ व न ह ल ए व लि य व न २ व न २
हा य प वि मा ग डा ना रि वा डा
वि न त इ हा ॥ ह ल मा नि च प क
उ स्की वा स ॥ पु म हा ह ल वि हा

सरिवगत्रिचं॥ स्व नं सरिवनिगुल

रवशानेवाजा॥ विगु न स्वाडा न्नाडा इव॥ सम सा

हिक रव लेहमं न्नाडा न्नाहिको॥ ह

लाउमकिऊ द्वि न्नाहिको॥ ह

काडा च रवशानेवाजा॥ सु

त्रिवलिहल लंका न्नाडा

हलवलिसंग नाहि

थकाडाधुकेडांवाऊ

नंउरवा॥ अजीसरवीचिगुल

अंतपूचजायवलिय॥ सरवी॥ अजी

मात्रिअवस्यविऊकीऊ॥ सर्वअंतपूचडांमि॥

व्यागजा॥ ले॥ अजासरवीमीलतजायवली॥

ले
र
र
र

न इमं पत्रं काया विग्रहं यत्नं न हि रक्ष्यते ॥ अथ
खलु न दनपत्रं संहि नो मयि ॥ अथ न पत्रं न हि रक्ष्यते ॥ अ
थ संहि रक्ष्यते ॥ २ ॥ प्रकाशं हि काशं इति ॥ ३ ॥ अथ न हं मयि
उपनिषद् पत्रं पत्रं विग्रहं ॥ अथ न उपनिषद् पत्रं विग्रहं
अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥
मयि उपनिषद् पत्रं ॥ अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥ अथ न ॥

नो नो रक्ष्यते

८॥ म त ल त ल क स र व स ं ग ॥ य व ३ ॥ ८ म ॥ अ
उ र वा दि या त ं ग यि क य हि य ॥ स र व ॥ अ जी
हि अ व ण ॥ स र व न ा प णि वि ण अ म ॥ य न वा द ॥ स
३ इ ह य म ॥ ग ॥ ग ॥ प ह जि य ॥ ५ ॥ अ स ह म ज्ञा य त्व नि
४ प्र कां दि कां डं म ॥ य वा ॥ अ य ण य ह म कां ग दि ॥
५ ह मा दि दं ह म स र व ॥ अ हा द न व या ड वा ॥ स र व ह मा

आकाटि २ साकुंग प्रहममयिहांसनमाविऊकाऊ॥
वाह॥ अजीपृथेअव॥ वा न नापं वाह॥ अहापु
प्रादिगहसवयहांआयिकजहिय॥ स॥ अहादि
नवजाऊअडा जगहसवहमाजिप्रशम॥ अ॥
॥ स॥ स॥ वाह॥ अजीपृथेहमलोक
आदिहांइइकजीमंअजापुत्रिलकज

इं व ॥ इत्ययं कविग्रामं क ॥ १॥ स ॥

नव जात्रा श्राद्ध का प्रणाप सां हूनु का सिं

हमा मोरुया श्रानन्द सां विग्राम कीडा ॥ स ॥

ग्राम वा ॥ ॥ श्रीपुत्रि उखा देवि सति विप्रत्न

खा स लेखा श्रव हस प्रे ला क विजयी क ज शोया

ह धंदा म न क जि य पु म ला क न व न ला आ का यी

कं जहिया ॥ उरवादिदं उरवा ॥ अहापि मा अरव
हमा जिप्रहमा ॥ उरवा ॥ अजी सरिविचिप्रहमा
सुरवा अरवहम लोक अत पूजमा अचसि
य ॥ सरवा ॥ अजी नाजकुमा जि अरव अचसि
की अ ॥ थन उरवादि अत पूज अं मा ॥ या अ ॥
गे जि सां जंग ॥ प जि मां ॥ न व र ल म

५२॥ मनननसहत्रिकविधीनहमच
नवतलाभाशायिमननधीनकथा॥ नपदेन
त्रिरधीनचलोआइ॥ २॥ प्रकांदि काडां॥ इडावा
६॥ अहामंगिगहसवपुमलाकस्वर्गमावर्च
कजिआयिआ॥ कंरु॥ अहादानवजाइअवक
हमाजाप्रक्षम॥ हहायकंरु॥ अहाजाइकुमानर

शयग ६। सुवदानव जाडका शायम सांतागीभा
जागह ॥ **सर्वी** ॥ अहामेप्रि अदवध जायिथा ॥ **क**
तिपनंदां ॥ **वा ६** ॥ अजीमं प्रिसुमि कुमलाकडः
त्वाकासमाजाच वुमिकन अयिथा ॥ **वा ६** ॥ **सु**
खिदं ह हाथा ॥ **बुद्धि** ॥ अहा दान जाड अडा यस
वहमा विप्रक्षाम अरवध ॥ **लिखवधि** ॥ **अ**

मोखि सावा वात जमा वाति अरु ह ^{नार} क उ ला दवा
कां समावा जवुअ नकां जायव लिख ॥ **कुणिय न डों**
बाह ॥ अजीएय हम कां ता अरु व ह नं जंगम ह लमाः
नह ग हं ॥ **हम** ॥ अहा पादा व न ता अरु व ६ प वि डं की
ऊ ॥ **बाह** ॥ अजीएय अरु व तुम हम य कां ग ह याः
प न ऊ न काहि नाहि अरु व ज स की वा ग कहिया ॥

१०१
५
३
५

हम॥ श्रीप्राधवलवाचतिवार्गीकुक्कुमा लूमनाहि
ऊपियव्वासाकीश॥ ॥ वाक्षस जाके ७८ गम जम
नाग॥ पर्ज॥ लं॥ पुमसमानसपावसनाय॥ म
नथिननाहिं एयजसवदुक जाय॥ १॥ वालि
यक जायति श्रीरिवके साहान॥ पुम॥ १॥ कुव
समानपृथउद्याजाय॥ सनन्दवि कुम साहनः

नह बडु जक जीय ॥ पुम सु ॥ २ ॥ अत्रो यथ हस
कांता तुमा विजति न स संहम संपुष्ट रुया हं ॥ ह
म ॥ अहा प्राक्ष अह हमा जा विनति सुनिश ॥ वा
क्ष ॥ अत्रो यथ पुम कहिय ॥ ॥ हस कांता किं
ॐ गम जम ॥ जागा ॥ व्या ॥ धा ॥ सुना २ सुना जः
तिपति कज जा विनति अह वा धिद माकः

नौ दि

ॐ
३५
२०

त्रिदीक्षितः॥ श्रवत्वाहमपयः प्रीतिवचं पुमात्रिन्न
गिह ० न कत्रियत्रि॥ प्रहमत्रिस्तत्रिस्तत्रिन्न
तिहमात्रि॥ १॥ नपात्तस्वन्नपाति सवज्जनकः
गतिस्तन्नुविक्रमसाहगमया॥ श्रवत्वाकतिः
त्रिमणियहसवक्षमाकत्रिकत्रिन्नहत्वाजवि
वात्रि॥ प्रहमत्रि॥ २॥ **हम**॥ श्रवत्वाकतिः

पहमं श्रवतापयदया जारिव श्रय वा धहमा कजि
दीऊ ॥ वा ६१ ॥ श्रजीष्टय तुमा जिवति राव सं ह मः
संगुष्टरया धं दामगक जिया ॥ वा ६२ ॥ श्रजीष्टय
श्रवहम शानन्द सांय हि जहग हं ॥ हा ॥ श्रहा प्रा
ल श्रवण्य ॥ पाजिद पंडरा ॥ ल ॥ ॥ इति ॥
एग व ग ग गियंकः ॥ ॥ श्रय चतु ॥ ॥ नोदिमा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नाग॥रूपास्त्रि॥**प्रिमान**॥हृन् २०००कन प्रिन् यननं
दल॥॥ॐ निश्चिद्विगति ध्वजिन् प्रिन् यननं
प्रिगं गमयन्नाथच जक्षमवन्द॥१॥जय २०००
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥दिवा २०००
ध्वजिन् प्रिन् यननं ॥दिवा २०००
ध्वजिन् प्रिन् यननं ॥दिवा २०००

एवमवकाशे सवितरुज न के सस्य न्दु विक्रमसा
 ह पदमपत्रदहा ॥ ३ ॥ थ न ह म वा ॥ उप निक्षपं
 पि ॥ वि ॥ आमा ॥ थ न कुं हां दि ॥ शि पि ॥ प्र को कुं हा ॥
 अ हा जा ज कु मा न अ डा ज ग क्ष स व दा न व या
 ऊ का पा ॥ अ जा य व लि था ॥ सर्व ॥ अ हा मे णि अ व
 ॥ अ जा य व लि था ॥ दि कां सर्व ॥ अ हा मे णि सि षु ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

पञ्चमलोकसावधानहायिकनहि यहमलोकस
हापनडागहं॥ **हमा॥** अहादानवनाऊअववधिवि
ऊकीऊऊ माजिसासुंगाप्रहममा॥ **वा॥** अहाप
शादिगाधसुवअवहमलोकसहासाजायचलिय
सर्व॥ अहादानवनाऊअववधिविऊकीऊ॥ **सर्वदं**
हाडां॥ नागा॥ **स्वजथा॥** बी॥ चलियदानवगधज

क
प्र
प
२७

नाऊ

सहामः सवहिके असकत्रिकनेनेत्रिसाप॥^{नाड}निति
सवा जहगिकेदिनरकात्रिजहधजमकत्रिकेनि
निकाय्यसवमिलिकत्रियेसहकजश्राडा॥१॥व
त्रियेदानवसुप्तसनेगमवेसवहिकेजहकत्रिक
नेनेत्रिसाप॥नाश्रसडापयगिकेधिनेरवलिय
नेसनेनुविक्रमसाहनिजगहात्रिकग्क्षकड

बलकवि॥ नृपकदम्बवानश्राव॥ बालियकाउं
 वाक्षसूनकादम्बवानश्राव॥ १॥ सूत्रन्दुबिकु
 मसाहन्नगम्बवानक्षसूनकदम्बवानश्राव॥
 बालिय॥ २॥ **प्रकाउं द्विक्कासुर्व**॥ ग्रहापिनासि
 ध्रुविकुकाउं॥ **माहा**॥ ग्रहापुगादिगक्षसुवग्र
 वक्ष्यजायवलिय॥ **पुडुं लर**॥ **धनपुरवादिनव**

५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

१
२
३
४

बला २५ ह्युमा ॥ जाग ॥ ॐ त्रिस्तुत ॥ पवित्रमो ॥ नव
तलामेजस खलिये २ ॥ प्रकां वि का उं स ॥ ५ ॥ उरमा ॥
श्री सरिविचिप्रलखा सुलखा नवहम लोक अंत
सुजमा शायिपदं च ह्यथ क विष्णु मक नतह ॥ ३
सुख ॥ श्री जीव जाड कुमा नि नव वध विष्णु मक न
नहं ॥ सुव विष्णु म उरमा ॥ श्री सरिविचिप्रलखा सु

लेखायिह अं द्रावि रया सयनक जगहं ॥ **सख्यो** ॥ अ
जीजाडक माजि अवगु सयनकोड ॥ **सर्वसयनउ**
खादं ह हाय ॥ **पया** ॥ अहाऊन हनद गाव्य र्य रम
जीह्यामनम अगिहें द जपु जद रया हें अर हमाया
पुत्रप नाहिं उाहि पुत्रुषविना उाहि पुत्रुषाविना वि
इथीन नाहि का हां छपा देका हां मिह विहें वंदा

हृन्नागाहातहं॥ लिहायविष्णुम॥ साखनिबन्ध्याङ्क
वाडासिखिविग्र॥ श्रीगजकुसुमनिधिहृन्नायिमा
उदिसृकजिकनधाहंवदनमलीनशकुलन
पदरवतहं ध्याश्रवणहारयागगमकीडा॥ थनउह
खानविग्रयालाहागआनाडाहृहाथउखा॥ श्री
सरिविग्रलखागुमसांगुफकुङ्कुनहिसुनिय॥

दूहा॥ आऊँक जाग्रि स्वप्न हया सुन्द जपुष्य दखि॥
उन साँको जा विना सविना कि मोलन का हों दखन
सरि॥ स्वप्ना ऊसा देखत त्रित सा हायिक ह माय
मान॥ आसात जिनि जासा कत्रिय कि विरुवाय
कत्रिय आऊ॥ उरवा॥ अत्रि सरि विरु तनखा उहि
पुष्य विना भनि प्राक्ष नहता नाहि यगन कुकुः

हागभागाकत्रियनाहिगाहमजहतानाहिकवि
य॥ **सरिव॥** अत्रिजाऊकुमात्रिउमाप्राहपुमात्रि
जलगात्रिरवाकजदखाऊगहंदरिवलीऊ॥ **उरवा**
अनीसारिवअवगंध॥ **सरिव॥** दरिवलेहाजाऊकु
मात्रिसुनासुनरूपकिगजि॥ जानाहाहिगायहि
नमोनाकहियजाबिहिंसव॥ **उरवा॥**

॥ सरिख

उरवा नाहि सरिख गाहि नृप स्वप्नाऊ सा नाहि नृप ॥ ॐ

ननु यदि त्वत्साद किंच न्य गुमा जायु द्विगम न॥ **उवा**
श्री जाऊ कुमा जिअी हूषू कोषो प्रयै हिं हं शनि प्र
दका रूप या हिं हं देख ले॥ **उवा॥** श्री सुखि मः
चित्त किन रुथा॥ **उवा ल आ वा डा॥ उवा॥** श्री स
रिथि हूषू नृष बिना विरुथी न जाहि के सकल॥
सरि॥ श्री माहा जाहि जाऊ कुमा नि य हूषू नृष

हमले कज आता तहं आ गप्प दीऊ ॥ **उषा** ॥ भू जी स
खि वि वल रावा पुम ऊा यि क ज ल क शायि य ह म यो हिं
ज ह ग हं ॥ **सरि** ॥ अ हा ऊ ल न ह न्द अ व ह म या ऊ क
मा जि कि यि का पू न क क न र ह का जा ग हं ॥ **उ**
रवा लि हा यि वि अ म ॥ **स रि डों म** ॥ **जा ग** ॥ **ल लि**
वा ॥ **दा जि का मा जा य अ नि च ह पु न र ह कां जा य**

प
रि
र

विष्णुलेखा नाम महामपो जदेखायिक ॥ अग्नि नृद्ध ॥
॥ न पगलमम डोगसुननु विक्रम साह दया ॥ उ
र्याद्विद्वामन नयथ एननको ॥ अग्नि नृद्ध ॥ २
प्रकाउदि कां ॥ अहो नून हन्द अरुव ह म अग्नि
युद्ध पुनरेश को दानिका भा जात ह ॥ इ डों उर्यादि
पत्रि नृपदं ॥ ॥ त्व ३ ॥ अन नृ पत्रि नृपदं ॥

०

ॐ नमः

ॐ विष्णवे नमः ॥ धनं नाना यदुत्तमं ॥ प्रकां नाना यदुत्तमं ॥
 हादास कुनिय्या वल्लिया अरुव हसल्ला क द्वात्रिंश
 मा ज्ञाय चालि यथा ॥ १ ॥ अरुहाम्बु निज्जु अरुव
 विरुकी उत्ता ॥ २ ॥ अरुहाम्बु निज्जु अरुव
 ॐ ह्रस्व सर्वं गुणानि संयुतं ॥ ३ ॥ अरुहाम्बु
 ॐ न हमात्रिषु हमात्रिषु हमात्रिषु

ॐ॥ म॥ नि॥ श्र॥ हा॥ दा॥ जि॥ का॥ ना॥ थ॥ श्र॥ व॥ व॥ थ॥ म॥ व॥ न॥
मं॥ वि॥ श्र॥ म॥ म॥ नि॥ क॥ पू॥ दं॥ ह॥ हा॥ थ॥ म॥ नि॥ श्र॥ हा॥
दा॥ जि॥ का॥ ना॥ थ॥ गु॥ मा॥ जा॥ पो॥ व॥ का॥ बी॥ न॥ लो॥ क॥ श्र॥ मि॥
क॥ न॥ द॥ ग॥ म॥ क॥ न॥ द॥ श्र॥ मि॥ य॥ ज॥ हि॥ यो॥ सो॥ जा॥ नि॥ हा॥ व॥
ध॥ न॥ हा॥ यि॥ क॥ न॥ ज॥ हि॥ य॥ ह॥ म॥ जा॥ ग॥ हं॥ स॥ र्व॥ व॥ स॥
रा॥ नि॥ सं॥ तु॥ ॥ क॥ पू॥ ॥ श्र॥ हा॥ म॥ नि॥ जा॥ उ॥ श्र॥ व॥ व॥ थ॥

श्र॥ व॥ ह॥ म॥ जा॥ न॥ क॥ ज॥ दं॥

अथ हस नाम नक जहं

विश्वकोऊ हमा नोप दाम ॥ **हृष** लिहाय विष्णु म
मनि ॥ अहादासक निषाचलिया अदहमला
कवक्ष लोका जायचलिया ॥ **दासी** ॥ अहासनि
नाऊ अदव ॥ **विश्वकोऊ** ॥ **कतिपनंशं** ॥ **हृष**
अगीपयादिगाहा सब अदव अदविनाग्रहया
सथनक नरहं ॥ **सर्व** ॥ अहादाविका नाथ अ

अथ हस
नक ज
हं

इ सा

पृष्ठ २५ नं०

वज्रसूक्तकोशः सर्वसमयादप्राप्यमंदं
तु ॥ ॥ धनसूतासवाक्षस्तुनादिथं ह्युमा ॥ ॥
जाग ॥ साजध ॥ धा ॥ वीतिथदानवगहन ॥ प्रकां
द्विकोंडं म० ५ वा ॥ अहाप्रादिगाहासुवअवह
मलीकसूतापजरायिपडूं धं ॥ ॥ अहायकविष्णुम
कनगहं ॥ सुर्व ॥ अहादानवनाडुअवधविष्णु

३६
३३
३३
३३
३३

मकीरु॥ सर्वविष्णुम॥ थनमाहादिवग (६७५) कृमा
जडांम॥ जाग॥ काहिहृथमाप्र॥ लोलाहमज्ञा य॥
प्रकांदि कोउं॥ मध्यमाहा॥ अहावाधासना॥ थ
नवाधादिदं सर्व॥ अहाहाला श्रीमाहादयह
माजाकाटि नमस्का जयिहा सनमादिऊ कोऊ
माहासर्व॥ अहादानव अरव॥ सर्वलिहाथवि

ॐ नमो वा ॥ ॥ ॥ ॥ श्री माहादेव तु माना ॥
श्री वा दसां प्रे ला वी विरु यी का जि व क व दि स्म र ॥
या श्रव मया यह स ह ॥ ॥ वा ॥ ॥ वा क न म या ॥ ॥
जा का हि ना हि श्रव श्रा ह सां म ल श द्र व यं ॥ ॥ मा
हा ॥ ॥ श्रहा दा न व क जि ता म स ॥ ॥ मा र या ता ण ॥
मा या ता म स न ह ता ना हि ॥ ॥ श्री कृष्ण ना ता जि ग ॥

श्रवहमकुमसां नहतनाहिदरिषया॥ थ नमाहा
दवस्व सं तम नपिडा माहा॥ श्रहापुत्रादिगद्यसुव
श्रवहमलाक केलाह माजायचालिय॥ गद्यअक
मा॥ श्रहापिताश्रवअविऊकीडा॥ कतिपनंडां
वाद्य॥ श्रहापुत्रादिगद्यसुव श्रवमाहादयश्र
यिके नहता हायिहम नवजलिमा थ अ धंदास

सिद्धि का

नकाजिथारवहमलोकाशानन्दसांसलामानि
सापयाङनीगिकजिजहह॥सर्वी॥रहादा
नवयाङनरवध॥सर्वपनिक्षपंदडा॥लु॥॥
नरूपुदिउपनिक्षपंपिडाविष्णुमसयनयाक॥
थनचित्रलेखाडाहधुम॥नाग॥ललि॥वा॥द्वः
जिकाकाजायननिचद्वपुन॥काजाय॥पुकाउ

द्विक्कां॥ अहो गुरुनाथपत्रमन्त्रवक्के सुउपायक
 नन्त्रवहमजतनकनगहं॥ नोजितविष्णु॥ थनः
 ना नदडा गिपं॥ प्रक्कां॥ अहादासकुजिया बलिया न
 वहमविग्रलखाका उपदन्तका जागहं॥ दासो
 अहामनि जाऊ ना नदश्रव॥ थविऊकीऊ॥ द्वि
 कां साय नानद॥ अहा विग्रलखा स विग्रदहावा

श्रुता मुनिना जहमा नाकादि २ नमस्काज ॥ नान
द ॥ श्रुती विप्र लखा पुमात्रि विंता ३ सा नाहि
जहम यहिं जहि के जागुमा माया सां माचि काच
पल के जायिय ॥ रुम जा रहं ॥ चिप्र ॥ श्रुता जह
नाथ मत्रि सह ५ कादि नमस्काज रुम यहिं जह
रहं विप्र की ऊ ॥ चिप्र नं वि ७ अमना जद ॥ श्रु

हादास श्रव ह म आ क जा य व ति थ ॥ दा सो ॥ श्र हा म
नि ॥ न न श्र व ग्ग वि ऊ की ऊ ॥ इ डां ॥ वि ग्र ॥ श्र हा
ऊ न ह न्द श्र व ह म ना न द का श्रा प्म सो मा धि का
की ल न् प हा यि क मा या का क जा म त क वि श्र नि
उ द्द ल क न जा ग हं ॥ थ न वि ग्र दं ह हा य वि ग्र न श्र
निया ला हा ग जा ना डा थ न वि ग्र ॥ श्र नि श्र हा ऊ

न वृन्द श्रवहम उरवा दविका पा ७५ शान्तं ॥ **कृति**
पनंशं ॥ ॥ ४५ न **कृष्ण** **दिया** **कृत्वा** **वा** **अं** **कृष्ण** ॥ ॥ **श्री**
एयं नृकामिनी सख्यतामादि त्वा कसवयहस्त यन
याग्रिमाहमात्रा पोष्यति नृद्वदश्वत नाहिका
हागयिक्का रुयी नृनथ रुथा ॥ **सर्व** ॥ ॥ नृहा द्वापि
कानाथ नृवके सकय ॥ **कृष्ण** ॥ ॥ **श्री** **पद्या** **दिग**

६। सुवर्गशनि शुद्ध हमलाकने श्री दिगखाजतहं तु
मलाकशं तपूय जायिक नहि थ ॥ **शुक मि मि सुः**
ए ॥ शहा दानि काना थ श्रवठ ॥ **थ न मि डानः**
दकादं कृष्ण ॥ शहा गुज बलरु द्रादि लाक सव
वतु दिगभा शनि शुद्ध खान जाय बालिय ॥ **सर्व**
शहा दानि काना श्रवठ विडे कीडे ॥ **इहाथ**

स्वयं कृष्ण ॥ अहा अग्रज बल रुद्रादि सब विहोना
नाहि अहा नरगणपज शाय बलिथ ॥ सर्व ॥ अहा
दाजिका नाथ अवध विरुकोडा ॥ परधुं उं दुडा ॥
कमिनि ॥ अहा सहचरि दाजिका नाथ कास
मावा नवुजि अंगण न जाय बलिथ ॥ साय ॥ अहा
सहचरि अवध विरुकोडा ॥ उमिद अंगण जडां

[illegible]

स्वडिष्टिदहमकां॥ नपात्त हवनपतिस्तुजन्तुविभु
 मसाहनपयसन॥ श्रीश्रय॥ या॥ धनपुराणपिह
 पं पिडांविश्राम॥ धनश्रनिश्रुष्टा माडाविश्रुताति
 पंप्रकादि कांता॥ मध्वविश्रु॥ श्रहाशन वन्द श्रवह
 मश्रैतपूजजागह॥ शिष्ट॥ श्रनी जाऊकुमात्रि॥ उः
 खादं ह हाय॥ उखा॥ श्रनी सखिबीउ तखा॥ विष्ट॥

ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
मकारि यथ ह मय ह स न्य न को प वि कु मा क न त हं ॥
विगुले र वान न श्रि नि नु द्र मा द ता डा लि हा य वि ष्ण म ॥ ३
खा ॥ ॥ श्री हा स न्य न तु म सो वि त्या स कृ ज वि त्या स को
स्व प्र र यो सा यि हा म ना न थ पू र्ण क जी दी डा ॥ श्री नि

ॐ श्रीसुन्दरि जित निठूँ दू॥ उखा॥ ॐ हो प्रादो बल
ए ॐ वहम सप नि कुमा क ज त हें॥ ॐ नि॥ ॐ श्रीसुन्द
जिक जिये॥ स्वानमा लाडा नाडा उखा न प नि कु
माया करिये॥ स्वानमा ला को र बा य का डा हा ए॥ ॐ
हो प्रा॥ स्व न श ह को दा स ह म ह या कृ पा जा पि
थ न व त ला मा वि ऊ को ऊ॥ ॐ नि ॐ श्रीसुन्द श्रीः

श्रवणम् ॥ धन उरवा शनि निम्न लिहाय विष्णु म ॥
उरवा ॥ श्री सारिव विग्रह रवा सुलखा तु मन्त्रा कः
दानव जा जका समा वा जवृजिक ज शायि य ॥ सुः
रवो ॥ श्री जा जकुमात्रि श्रवणम् ॥ विग्रह रवा सु
लखा दं विग्र ॥ श्री सुलखा श्रवणम् दानव जा
जका समा वा जवृजिक नकां शायि वलि य ॥ सुलखा

अजी सखि विग्रह खा अ बज्ज जाय वलिये ॥ कति
पनंशं ॥ उरवा ॥ अहा प्राधव नैरा अ बहम सदा नायका
तरुया तुमा विजा ठू द्वा सा क विथ ॥ अनि ॥ अजी प्रा
दाव ह्म रा सुन्द पि अ व ज स की वा न क विथ ॥ उरवा ॥
अजी सुन्द ज पु नृष रूपा जारि व थ ॥ अनि नृद्रा कि ॥
जा न मे ॥ या ग ॥ प उ र्ज ॥ वा ॥ काम ज स वा न क जा न ति

नमो देहा ॥ लाजकाज नजिय नमक जो लाज प्रादपि
यात्रिवचन नमनिय ॥ १ ॥ तब रूप नमि नजिजन
काहिनहि ॥ कुच उद्यान नमि हथ नक जो ज ॥ स्त
नन्दु विक्रम साह रा ॥ ६ ॥ २ ॥ न नीपय उर बा तु
मात्रि नमि क जाद रिम नका ग्रा कु लत या की
ज विलासक जायिय ॥ **उरवा** ॥ न हो प्रा दव न्हि

५
५
५
५
५

मजीवि नति सुनिऊ॥ अरुनि॥ अजी सुन्द वि कहि
य॥ थन उरवा कि ८९ झा जभा॥ जाग॥ असा डा॥ लं
तुम सु मों जौतें पौतें डा ह म जति कू कू नहि गुरु म
जि॥ अगप निजा या मति हः प्रह म त दा सि निजा
निय॥ १॥ इ मा क जि दी जि य नः प्रह में अ य जा ध
स व म जि॥ अ न पाल ल व न यति सु ज नु वि क

ममसाहृदवये॥२॥ अजीषाक्षवन्न ताहमभवत्ता
पनदया गारिव अय नाधदमाकविदीऊ॥ अति
अतिष्ट्य तुम धं दामत्क विथ॥ निम्विठ्याम
विग्र. सुल. निम्विठ्यातिपं॥ प्रका॥ विग्र॥ अजीसः
रिव सुलखा अरुखा कापा ७५ जाय विलय॥ सु
अजी विग्रुलखा अरु ७५ जाय विलय॥ द्विकाउं॥

मरध्वस्यउरु॥ भूमीनाजकुमात्रिशुवनाजकुमात्रि
पक्षमम्॥ उरुवा॥ भूमीसुरिवयिहोभ्रायिकनहिये॥
उरु॥ भूत्रिनाजकुमात्रिशुव॥ निब्रंनापेविः
०५॥ म॥ उरुवा॥ भूहाप्रादावस्रहाशुवननाजकुमात्रि
दिशुवहमलोकभानन्दमांयहिंनहगह॥ सुर्व॥
भूमीनाजकुमात्रिशुव॥ नसुर्वपेवि

द्वयं इडां ॥ १ ॥ ल ॥ उकमिनि ससडा ह थू म ॥ नाग ॥ द
३ वा ॥ अंतपू न जाय ॥ प्रकां द्विकां उं ॥ म ॥ ध ॥ उकम
७ नि ॥ अजी सह वजि अ वरु म ला क अंतपू न ग
४ यिप हं वे रु हा य क वि ॥ म क न ग हं ॥ स ॥ अ
जी सह वजि अ व ॥ वि ॥ म की ॥ थ न नि स्रं ॥
वि ॥ म ॥ थ न रु पू दि डा ति पं ॥ प्र कां रु पू ॥ अ हा

श्रगुजबलरुद्रादिगणसर्वश्रवहसलोकाकशंरु
पूजजायचलिया॥**सर्व**॥**श्रहादायिका**नाथ
श्रवणविजुकीऊ॥**द्विकांसर्व**॥**श्रहादायिका**
नाथसिधुविजुकीऊ॥**रुषू**॥**श्रहाश्रगुजा**दिस
वश्रवणजायचलिया॥**म॥५॥रुषू**॥**श्रजीपर्य**
रुक्मनिस्तपतामा॥**निजंदंरुक्मस्तप**॥**श्रः**

हादात्रिका नाथमिति प्रथममपि हासनमादि
ऊकीज ॥ सर्व ॥ अगीश्वरकमिति सत्यभव
सर्वद्वयविग्रहसकृष्ट ॥ अगीश्वरकमिति
सत्यता अग्रजवलरुद्र अश्वमेधस्य प्रोक्त
निजद्रव्यं चतुर्दि गभारवैश्वदेव रक्त नाहि वै
सक ज ॥ सर्व ॥ अहादात्रिका नाथग्रीकपुत्र

वज्रगजनीकुं ॥ **रूप** ॥ अजीययादिगलसवत्र
वहमजगतकत्रिजहगहं ॥ **सर्व** ॥ अहाद्यात्रिका
नाथअववव ॥ **थनसर्वपत्रिष्ट पंद्रुतां ॥ ल२ ॥ थ**
नवाद्यसुजादिउपत्रिष्टपंपिउविष्ममवाद्य ॥ अ
हामंत्रिद्रिक्तं द ॥ कं तदं हहायकं त ॥ अहादाः
नवनाजकाभग्यहातहं ॥ वाद्य ॥ अहामंत्रि

५ न वा र व टि सौटि ल वे नं ड यू त दं म॥ ता ग॥ हि य रा सा॥
 प्र॥ इति सरिन धी तर जू ठ यू रे मा ना प॥ ग ह्य म कृ आ
 र का स म श र वृजि रा य॥ ५० नदिन ह य ह्वी नदिन व
 र मन या ही गा सा नि पू ला क ला थ क्र म म श र वृजि रा य
 नि ये टि ग्रा स रि रु वि क्र म सा हा दे व॥ र ये ठ य ध्या न वि ना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

नमि ५ ॥ स्वामि नूला व ॥ १२ ॥ ~~ॐ~~ धनं स द म नं क नादि ५ ॥ ता
७ ॥ ~~ॐ~~ ना ७ ॥ य त्रि मा ॥ अ य र ह ॐ न व स सा ल कि अं धि य ठि ना
४ ॥ व य त्रि वि द न क र ७ ॥ ठ उ धा न ल य ना स ॥ अ य र ह
५ ॥ दू लि ठ ना सि ल ७ ॥ ठ या त्रि नि स क ल दू ख ह र नि ॥ सु मि
अ त्रि क म सा ह नि य ठि सू व र न वा ल ३ ॥ अ य र ह ॐ ~~ॐ~~ ॥ ४
न स म नू क ॥ ना दि ५ ॥ ता ७ ॥ अं ध या ॥ ७ ॥ अ र ह ७ व ठि
त्रि ल व न क थ कू ता नि ॥ ख ग ठि सू र द्रि द्र य र क सू र ना ति
नि ॥ ह र ७ धि क ॥ १ ॥ ल ७ ठ का र ह य व र दि क नू नं द
अ वि ता ३ ॥ स व दू ख ह त्रि कः न र ज न स व क र ह र व ॥ २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
साक्षात् ॥ सवकजनकं रासादुमकं हं नमो भगवते ॥ हं उगध
क ॥ ३

नाम ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
इयं सर्वगदाश्रयः ॥ साधनं गुरुपूजा ॥ विष्णुर्देवता ॥ निष्कामं जगत्सर्वं देवदेव
हंपूजाम् ॥ वाहादुमकं नमो भगवते ॥ ३ ॥

कं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कैं लेंद वि लोद को वा ला यिक नव तला भा उर वाद वि
को ह विगत के सा ह च वा क नव का प म यिय ॥ मं गि
अ हा मं गि अ व ॥ मं गि ह हा य मं गि ॥ अ हा वि लो
द ॥ अ हा द द ह हा य वि लोद ॥ अ हा मं गि अ ग प
हा त हं ॥ कं र ॥ अ हा वि लोद पु म नव तला भा उ यि
उर वा द वि का स मा वा न व मि क अ यिय ॥ वि लो ॥ ३

ॐ हारवा दाश्व ॐ ॥ विलांद ॥ ॐ हाऊन हृन्द ॐ व
हम नवतला माजातहं ॥ कृतिप नंडां ॥ वा ॥ ॐ हा
प्रादि गक्ष सवश्व हम पुष्टि उखाकास माषान
वृमियहिं जह नहं ॥ सर्व ॥ ॐ हा दानव नाज ॐ व
ॐ ॥ थ न सर्व पत्रि क्षपंडां ॥ ल ॥ थ न उखा उप
त्रि क्षपे पिडा विग्राम ॥ विलांद ॥ गतिपं ॥ प्रकांडे हिः

का॥ अहाजनकन्द अरवहमसिधुजागहं॥ म॥ ॥
अत्रीयाजकुमात्रिमनाप्रक्षम॥ उरवा॥ अहाः
मंशिविरांदयिहांशयिकयाहय॥ विरांद॥ अ
त्रीयाजकुमात्रिअरव॥ नापेविठअम॥ विरांद
अत्रीयाजकुमात्रिअरवहमजागहं मनाप्रक्षम॥
विरांदहं हाथ॥ अहाजनकन्द अरवहमजागहं॥

वका लं डों ॥ उरवा ॥ अहा इव नाज साव्यादि अरवह
मदा नव नाज कास मावा नव अियाहि नह ॥ सु
व ॥ अजी नाज इ मात्रि अरव ॥ सप्य पात्रि इ पंडु डों ॥
लु ॥ थनवा द्वादि उप पात्रि इ पं पि डों वि अम ॥ वि
लंद डों तिप नं डों म ॥ अहा दान बजा जह मा
जाका दि र सा सुंग प्र द्वा म म जा धी न रि सु नि ऊ

वा ६॥ अहा विरां दक हिय ॥ विरां द ॥ अहा दान
बजाऊ वा ६॥ सु न् जाऊ कु मा त्रिक संग यक सुन्द
न पृ नृष हं उ ह्मां न ह गा हं ॥ वा ६॥ अहा विरां दः
यि हां शायिक जी हिय ॥ वा ६॥ अहा दान व जाऊ
अव ६॥ आपे विग आस ॥ वा ६॥ अहा पृशादि सब
अव हस ॥ वाक नव कला मादे ख न जाय च त्रिय ॥ सुर्व

अहादानवयाज्जम्बुविज्जकोज्ज॥ वाहमद्रिडांचः
कालं॥ लूडा॥ थनउखादिउपनिद्रुपेयिडाविज्जम॥ ३
वाहमद्रिडांचकालं॥ म॥ ६॥ वाह॥ अहाइष्टकोनः
उमकाहाजावमिष्ट॥ २॥ गति॥ अनीष्टयउमयाहः
नहायहमशुद्धकहहं॥ उखा॥ अहास्यामिअरु
७॥ तिपकाजाडागतिनदहक॥ नयइष्टजनति

बचन की लिखाऊ ॥२॥ अनिवादा शुद्ध मालका वादा
बूकहावक रुदंकर ॥ अहा दानव जाऊ अरु वरुह
बीजकों से पाज शुद्ध सं नाहि हायि अरु वसाया ऊरु
कजिय ॥ वादा ॥ अहामें प्रि अरु वरुह ॥ मया शुद्ध याक
नागापाठन विनाडा वादा ॥ अहामें प्रिय हू बीजकों
बंधन सा जाखिय ॥ मंत्रि ॥ अहा दानव जाऊ अरु वरुह

थनवा दान शनि मंग्रिया न विथ ॥ बा ६ ॥ अहा पुत्र
दि सव ना ज सहा मा जा य वलिथ ॥ सर्व ॥ अहा
दान व ना ज न ब ॥ वि उ को उ ॥ कं र वि रं दं उ
नं सर्व च का लं डी ॥ कं र द थ स श नि डा ना डी चं उ
खा दं उ र वा ॥ अहा मंग्रिय ह स न्य न कां य ह ब न्यः
न सां म क क त्रि थ ॥ मंग्रि ॥ अहा ना ज क मा त्रि रु

स
२
२
२
४
७
८

कूमनाहि ॥ **थनउरवाक नृदामव ०५ रावम ॥ जाग ॥**
विराम ॥ रवा ॥ सुनरमयरायिविनतिहमात्रि ॥ न
कत्रियमत्रिपतिहडातलात्रिशड ॥ १ ॥ पतिविनमः
प्रपाक्षधीजनहिमत्रि ॥ **वृत्रिदिहि मयपतिह**
वृविनति ॥ २ ॥ सुत्रिदि **विकुसमाह नृपवयरात्रि**
वयक्षमात्रिशह ०५ विनति ॥ ३ ॥ **उरवा ॥**

अहालायि यह सुन्द नविनाम विप्रोह यह ना ना
हि बंधन सां नृक क जिथ ॥ **कं** **रा** ॥ अनी जा जकुमा
जिडे सारया गा पुमह मदा नव या जका हा सिख
लिका वरवत माहम अजिक न क द उं ग पुम धं
दाम ली ऊ यह वि लोद कांद क न हम जा रहें ॥ **स**
खोदं वाध पाय ॥ अनी जा जकुमा जि पुम यह धंदा

सूतीमति की ऊ॥ हम यात न क न न हं॥ उरब॥ श्री
रव्यादि श्रवण॥ कं॥ श्री हा वि तं द॥ वि तं द दे ह
हाय॥ श्री हा मं प्रि स्वा श्र ग्म हा न हं॥ मं प्रि॥ श्री हा उ
वि तं द य ह वो न का वं ध न मे ध वि क न पु म श्रः
यि यं॥ वि तं द॥ श्री हा मं प्रि श्र ग्म प्र मा न॥ श्री नि
वि यं कं रं दि लि हा य वि ष्म म॥ वि तं द॥ श्री होः

धो जवं धनमावलि य॥ **शनि॥** अहा वो कि बलि
य॥ **विहांद न शनि द्वि का न सगा लण्डा लिहाय वि**
हांद॥ अहा रवादा वं धनमा धप्रिक न भायि पदूं से
मंत्रि॥ अहा विहांद हलि हयो उखादि ह मन्मा के
दान वजाडा का पा ०५ आय वलि य॥ **सर्व॥** अहामं
त्रि अरव ०५॥ **वृत्ति पनडां॥** ल् ॥ धनवा द्मा दिडा चका
हमादि उपनि कपं यिडा

लंम (धवा हा॥) ॥ श्रीपृथुहमकांता॥ हे मादेदेहम
महादानवनाजहमा श्रीप्रभामयिहासनमाः
विजकीजा॥ वा हा॥ श्रीपृथुश्रवः॥ नापंस्त
र्वविष्णुम॥ वा हा॥ श्रीपृथादिगहासयश्रव
हमलोकभानन्दशायिं जहताहं॥ सर्व॥ महा
दानवनाजश्रवः॥ सर्वप्रतिक्षपंदुडं॥ त् ॥ ३

धनरुप्रादिउपनिषदंपिडाविष्णुमन्त्रानयदउम॥

नाग॥ ॐ ॥ ख॥ द्वात्रिका माजायकनकअश्रज
जिअश्रज॥ गाहागयमनजथएननकाज॥ १॥
हमात्रिविन्ननिम्रनिम्रजिअश्रज॥ सअनुविद्र
मसाहदवगृहगमनि॥ २॥ प्रकां नानय॥ अः
हादासुक्त्रियाचलिया नवहमलोकद्वात्रि

द्वात्रिका मा २१

कामाजायवतिय॥**दामो**॥ अहा मूनि जाऊ नाउद
अवबधविऊकीऊ॥**दिको**॥ अहा मूनि जाऊ नाउद
सिधुविऊकीऊ॥**मूनि**॥ अहा दास अवबध जायव
तिय॥**मधस्ययमूनि**॥ अहा दानिका नाथ श्री कृष्ण
सर्व प्रसन्न दयालु॥**कृष्ण**॥ अहा मूनि जाऊ हमाया
हममपिहासनमाविऊकीऊ॥**मूनि**॥ अहा दानिका

नमो नमो वः ॥ ह हाथ सर्वनापे विष्णुमा मन्त्रि ॥ ग्रहा
दात्रिका नाथ ॥ मन्त्रि रूप दं ह हाथ मन्त्रि ॥ ग्रहा दा
त्रिका नाथ श्रीषु वदन मती न आ कुल रूप देखत
हं ब्राह्म वष्टा रुथा ॥ रूप ॥ ग्रहा मन्त्रि नाज नाथि
सुय नमो वः ॥ मन्त्रि ॥ ग्रहा दात्रिका नाथ सुमा या

अनिन्द का गजकण्ठ का दावा निन्द सांमन्त्रिका
नाया रूप हाके लगया के सावें धन कज हायिः
क वा हा सून का स्वनिता पर नाम वा हा सून का
अवस्था क जि जा रिय या जा निनय ॥ **रूप** ॥ अ हा नि
नि ना ज य ह पा पि र लोक न ड सा कि या ता उन
का श ड सां मा नि क ज अनिन्द का ल सा शात

हं पुनर्विजकोज ॥ म्रनि ॥ अहा दाजिका नाथ
बाधमृजकोंमाहादवनविजं जीववयदिया
हं हा जानिकयिथहमजांगहं सर्वप्रसहोदः
यास्त ॥ कृष्ण ॥ अहाम्रनिजाजमजाप्रक्षम ॥
कृष्णलिहायम्रनिहृहायकृष्णविष्णामम्रनि ॥
अहादास्तकृजियावलिग्याश्वहमलोकाजय

बलिये ॥ दासो ॥ अहोमनिनाऊअवअधिविजकोऊ ॥ तियं
प्रकाउं द्वेका दासो ॥ अहोमनिअवअधिविजकोऊ ॥
मनि ॥ अहो दासकूत्रिया बलियाअवअधियाय बलि
ये ॥ इडां ॥ कृष्ण ॥ अवीष्टयादिगहसवउमलाकयः
हिंनहियहमदविकाआनाधनाकन८६कोऊ
हं ॥ सर्व ॥ अहोदात्रिकानाथअवअधिविजकोऊ

मात्रिषु धामा ॥ **कृष्णदं कृष्ण** ॥ अहा जन हृन्द अवह
मदयिका शाना धना कन ६६ कां जा गह ॥ **ॐ ३**
ॐ नमः विष्णु मङ्गल ॥ हिमगिनि सुगद विवामः
विन्दु ७५ हस्त ७५ कल इति त्वं सिद्ध विक्कि कना
मि ॥ **ॐ कं ऊं नं मं नीशां दे विरं किं** ॥ अरिबल हव
न ऊना नोसर्ध माणा गो भव रुक ऊन मनीशा दहि

देविं नमामि॥ श्रीगुरुन नीलाकण्ठ जीदेवीहम
कादण्ठनिदीज॥ **थनदविडावकालम** **धदवि**
रहाहकमानुषू॥ **रुषूदंरुषू**॥ श्रीगुरुमनीः
नीलाकण्ठ जीदेविहमायाप्रदाम॥ **दवि**॥ रहाह
रुषुमायाहकिरावसां हनसंगुषू रायाजाहूदासा
काहिय॥ **रुषू**॥ श्रीगुरुन नीरवहमपूजाक गह

दवि॥ महां हक् न त्रियि द्वा॥ पत्रिक माया क (७५)
क उं प्रथम उं॥ कृष्ण॥ मजी ऊन नीपापिष्ट वा द्वाः
सूत्र (६) मत्रापो गुमनि नृद्ध श्री जीक न ल ग या म
व क स क ज य ह व य दी ऊ॥ ६॥ महां कृष्ण उ ह्को म
गि श्रामा हा दे व न ची ज जी व व न दि या थ म हा जा नि
इ द्वा मा वा इ किं न क जी श्र का ञ्म वा द्वा व न क जिय व

७५
= ७५
३५
५

गङ्गा कुनक पत्र गति हस्तपालक वज्र दान दन नमो ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the previous page. The text is written vertically in two columns.

Left column:
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Right column:
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवate वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

५२५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

खन ह हायम (धकपू॥ अत्रीएय अकमि न्यादिम
व॥ अकमि न्यादिदं सर्व॥ अहा द्वात्रिका नाथ श्री
कृष्ण मात्री पुष्पा मायि हासन मा विऊ कीऊ॥ कृ
ष्ण॥ अत्रीएदिगाक्ष सव अकव्य॥ कृष्ण दिनापं
सर्व विष्णु मक्षपू॥ अत्रीएय अकमि नीसख हा
मा तुम आनन्द सां यहिं जाहिथ ह मत्ता क इद्रक

१८१ कां जात है ॥ इक्ष्मिनि स ए ॥ अहा दानिका ना
थ अ व ग्ग म जा पु ए म ॥ ह ॥ अ हा ग्ग उ व लः
रु डा दि अ डा ज ग ह स व अ व ह म ला क सा नि ग
पू ज मा अ नि उ द ल न कां जा य च लि य ॥ ह ॥
अ हा दानिका ना थ अ व ग्ग म वि उ की उ ॥ थ न मि
ऊ न श का दं उ द्र या डां म ॥ जा ग ॥ हा ज थ ॥ स ॥ ॐ

नाथसगात्रविडकीड॥**कृष्ण**॥ ग्रहाग्रजादित्या
कसवग्रवग्धजायवालिथ॥**सर्वदंडंशुक्रम**
वि॥ श्रीसहस्रत्रिग्रवथाकनकासमावात्र
वृमिग्रहिंनहत्तहं॥**सृष्ट**॥ श्रीसहस्रत्रिग्रव
ग्ध॥**धननिर्गमपनिर्गमपंडितं॥ ल ॥ धनवाध**
दिउपनिर्गमपिंडंविश्रामा॥ धनंलंडाख्यालमात

को८ धोडों॥ बा८॥ अजीप्यादिगसवयहजं वृकश
यिउपडुकजीगयाहं॥ सर्व॥ अहादानवनाज
धेदा मतिकोऊकुहागमनाहि॥ थननायद
डातिपं॥ प्रकांमृनि॥ अहादासश्रवहमलाकवा
हमसृजकापा०५ जायवलिय॥ दासो॥ अहा
मृनि०५ यश्रव०५ विडकीऊ॥ द्विकंदास॥ अ

हा विषिष्ठाय नमः सुविजयकोटि॥ मन्त्रि॥ अहादा
सर्ववत्तु जाय वलिये॥ मन्त्रि॥ अहादा
हादानवजाज सर्वगुरु दयाकर॥ वाधादं ह
यथाहा॥ अहामन्त्रि जाजमजापक्षामव्याशः
ग्याहाहा॥ मन्त्रि॥ अहादानवग्रीहृष्ट का होउ
उमसासंगामकजयशाय सावधानहायिकन

अहिंसे हस जा रहं॥ वाद्य॥ अहाम्निष्च जम्ब
वधम जा प्रथम॥ वाद्यलिहाय विष्णुम॥ मनि॥
अहादास वल्ललाक जाय वालिया॥ दास॥ अहा
मनिष्च जम्ब वध विजु कीजु॥ द्विको दास॥
अहाम्निष्च जम्ब विजु कीजु॥ मनि॥ अहा
दास जम्ब जाय वालिया॥ वाद्य॥ अत्रिपयादि

[illegible]

नाउखा भग्यम हागह ॥ वा ६॥ नरहा मंगि खड्गिला
वालायिक प्रजा लाक वा लायिया ॥ मंगि ॥ नरहा दानः
वजाउ नरव ॥ मंगिलि हाय विग्राम मंगि ॥ नरहा
विरांद ॥ विरांद दं ह हाय विरांद ॥ नरहा मंगि वा नरा
ग्यम हागह ॥ मंगि ॥ नरहा विरांद खड्गिलाक वाला
यिया ॥ विरांद ॥ नरहा मंगि नरव ॥ विरांद ह हा

यम (ध) विहंदा ॥ अहापयमानसगायनायि होरायि
य २ ॥ लिहाये ॥ थनपयमानडापहलंम (ध) ॥ अहावि
हंदमंतिष्का आग्या हागहहमा नापुक्षामा ॥ मंति ॥
अहापयमान खड्गिलोक वातायि पुजा लोक वाता
यिथ ॥ पत्रमा ॥ अहामंतिर्दवभा ॥ पत्रमानहहाध
नाजसलतेरया लमालका ॥ खड्गिडाभा ॥ नाग ॥ काता ॥

५
३
४
५

३॥ वला ऊयी जस लायि नृप च वराज ॥ सता वगम
नक नृप सवा क ओधी ज वला लायि आऊ ह ज धित
१॥ नाऊ सऊ क जितिय ह न पत आऊ ॥ सा जित गम
नक नय ह नित ऊ ला ज स ज नु विक्रम सा ह व ज नृप
गम थ ॥ २॥ **प्रकां न च** ॥ अ हा लायि नम सिंवा दान व जा

ॐ कृपा ॐ जाय वालिये ॥ नमस्ति ॥ अहा व ज तायि
सिमसिंवा ॐ व ॐ जाय वालिये ॥ द्वि का नमस्ति ॥
अहा व ज तायि सिं पु जाय वालिये ॥ सिम ॥ अहा ए
यि ॐ व ॐ जाय वालिये ॥ मधे ह्यय ॥ नाच ॥ अ
हाय नमान का शो ग्ग हा न हं ह मा पु द्वा म ॥ प ज म्मा

2.533

ASHA 18.11.10

ASHA 18.11.10

9

याकनमडोधिकरव्यात्मालकाषयमान॥ अहास्व
जित्ताकहमायाप्रज्ञालोकज्यालिहोवालायिदह॥
नाच॥ अहापत्रमानअवध॥ नाच॥ अहालायि
दानवनाडकाइकमहोप्रज्ञालोकवालाडातह॥
नामसिं॥ अहावजरायिअवध॥ मायविंथनाडा
प्रज्ञावायकपुनकाडालिहोनाच॥ अहापत्रमा

नदावजाऊका आगमना ॥ १॥ आ लोक वा लायिक ज
आयिपइव ॥ **पत्रमानदेह हाथ ॥** अहा दानव जाऊ
प्रजा लोक वा लायि आया ॥ **वाहा ॥** अहामंदिखडि
लोक को खचंदह ॥ **मणि ॥** अहा दानव जाऊ अरवः
ॐ ॥ अहा खडि यह मज्जितलक जाह ॥ **पत्र ॥** अ
हा खडा अरव ॐ ॥ **खचविडा पत्रमान ॥** अहा दा

श्रवहमजागहं हमा जाप्र दाम ॥ लि हाय पत्र मां
श्रहा खडि लो क श्रवहम श्रह ना श्राश्रम जाय
पलिय ॥ रवदि ॥ श्रहा पत्र माने श्रव श्रव विड की
ऊ ॥ क गि पनं डों ॥ वाछा ॥ श्र प्रोष्टय हम को नादि पु
म ला क यहि जहि य हम न व र मि जा ग हं ॥ ह मा
दि ॥ श्रहा दान व जाऊ श्रव श्रव भि जा प्र दाम ॥ ॥

वदं वं ह॥ नृजीवृद्धि रूप तुम नव नला मे जायिके
नहिय वृद्धिदं॥ नृहा प्रा धवल रा नृव वृद्धि नृप
धम॥ वाध॥ नृहा पुत्रा दिग धा सव नृव ह म लो
क न धा र मि जाय व लिय॥ सर्व॥ नृ हा दा न व
जाऊ नृव वृद्धि पिंड कीऊ॥ सर्व व का लं डों॥ थन
हम॥ नृजीमं गि सीत तुम नृ नृ नृ जायिके न

हि य॥ **बुद्धि दं बुद्धि** ॥ अ श्री मा हा ना दि अ व ॐ
म त्रि पु क्ष म ॥ **बुद्धि** ॥ अ जी स खि सा रा व गि नः
मा व गि अं त प् न ज्ञाय वा ति य ॥ **सर्वो** ॥ अ यीः
स्या मि अ व ॐ वि ऊ को ऊ ॥ **क गि य नं डों** ॥ ह म
अ जी प्री ति उ र वा दि स्त व अ व ह म त्मा क दा न व
ना ऊ का स म् चान वु जि य हि ज ह त हं ॥ **सर्व** ॥

ॐ श्री माहा ग्राहि ॐ वज्र ॥ थन सर्व पात्रि हृ पं दु
डां ॥ ल ॥ थन वृद्धि डां ति पें प्रकां दि कां तरव्यो
ॐ श्री स्वा मि नि ति घु वि ऊ की ऊ ॥ वृद्धि ॥ ॐ श्री
सरिव ॐ वज्र ॥ जा य व लि थ ॥ मर थ वृद्धि ॥ ॐ
श्री सरिव ॐ वज्र ॥ न पू ज शायी पदं वेद हा श
क वि ॥ म क ज त ह ॥ सरव्यो ॥ ॐ श्री स्वा मि ॥

निऋवः विष्णुः सकीर्तः ॥ सर्वविष्णुः ॥ बुद्धि
ऋषीः सरिवः ऋवदानवराजकासमावात्रदुमि
यहिः नहः नहः ॥ सरव्यो ॥ ऋषीः स्यामीनिऋवः
थनः सर्वपात्रिः रूपेण्डां ॥ ल ॥ यनवाः द्वादिता
चकालेः मः ॥ वाः ॥ ऋहाषः प्रादिगद्यः सवः
वहमः लाकः नधः हः मिः शायिपदः वः हः यः कवि

ॐ असक जगहं ॥ सर्व ॥ रहा दानव जाउ सब
वि ॐ असकी उर ॥ सर्व वि ॐ अस ॥ थन कृष्ण दिडा ह
थ म ॥ जाग ॥ स्वा जथ ॥ ॥ ॥ सब गद्य निमित्त नम
प्रकां द्विका उं ॥ मर ध सर्व ॥ यय पात्मा पुमत्मा क
कोहों जाव वी जि किया का हल दरवा डगहं
निष्ठ ॥ वाह ॥ रहा प्रयादि गद्य सब यह इष्ट

सो सावधान हायिक इह कवि य ॥ **सर्व** ॥ ग्रहा
दानव जाइ ग्रवण ॥ **सर्व दं हाक** ॥ अत्र पापा
त्मा गुमा जाये इकों बंधन सो नाग पाण न वं
धन सो प जात सा गुम लोक को क अं (गानि पूर
रुष ॥ ग्रहा ऊय गुम सावधान हायिक यह इह सो
इह कवि य ॥ **जययी** ॥ ग्रहा द्वात्रिका नाथ ग्रवण

हक डं ॥ बोधं न सायाव नारका निमं

हृत्कडं॥ बोधं गृह्याय नारदो निह
शुद्धमालका लावि विस्तुता॥ इत्युक्तं हाय॥ गृह्याय नि
का नाथ दा नव संहान नका जि ग्रायि पदं॥ हृत्क
गृह्याय यथा हां ग्रायि कजहि य॥ इत्युक्तं॥ गृह्याय दा
त्रिका नाथ गृह्याय॥ हृत्कडं विष्णु म॥ ह्रेंपूं वाहा
गृह्याय विहा द पुम साव धा नहायि कजशुद्ध कजिय
विहां॥ गृह्याय दा नव गज गृह्याय॥ दं हृत्कडं॥ हृत्कडं॥ ग

५५ पुष्प
हो अग्रज सावधान हो यिक जशद्व कनिय ॥ वलदं
अहादा जिका नाथ अ व ॥ हत के डं ॥ थन इ इमा
लका विराद वै धवल राद लि हाय राषा ॥ अहादा जि
का नाथ दान वसे छा जक ज अयि पदं ॥ रुष ॥ अ
हो अग्रज यि हां अयिक जहि य ॥ वल ॥ अहादा जि
का थ अ व ॥ नापे वि ॥ अ न रुष दं रु

यम (वक्र) ॥ ग्रहा नं वि...
 लिहाथ विग्रामाथ न...
 ॥ ग्रहा दानिका नाथ म...
 हा नहं ॥ रुष ॥ ग्रहा पंक्ति...
 जयि भनि उद्वका नाग पा...
 ग्रहा दानिका नाथ ग्रव...

त्रुलिहायगम् ॥ अहाऊनहनु अवरुमनवम
लाभाऊतहं ॥ वका लंडां अत्रिका नाडा पिडा
गम् ॥ अहाऊनहनु अवरुमयह नागपाठ
काबंधनमुक्ककतहं ॥ ^{अवरुमय} नागपाठ हुनरिं ॥
धुनकाडापलाखंडागम् ॥ अहा द्वात्रिका नाथय
यह अतिचुद्धलीडा अवरुमपी हुनागरुदध

कज०६०कोंजागहंहमा नाप्रमम॥**कृष्ण॥**
हापांकि जाज्जवव॥**ग्निलडा हायगनुति**
हाय॥ गनुन नाग लिखा खिंगनु॥**ग्रहाजनहृद**
श्वहमयिह नागकांश्वति रणद्वकजतः
कांक्षी जीगत्ता उमजागहं॥**द्वलनमिति**
पनं॥ प्रकांउंदि कां॥**ग्रहाजनहृद श्वह**

मसिषु जगहं॥ इति॥ ह्रु॥ अहापुत्रपोत्रप्रशुम्
रनिपुत्रपुमसावधनहायिकनइद्रकजि
य॥ उत्त॥ अहादाजिका नाथरवञ्च॥ निहिनंद
हगकउ॥ वादा॥ अहापुत्रवीजाह्ननन(क्षरुन
पुम सावधनहायिकनइद्रकजिय॥ मयाः
अहादानवजाजअवञ्च॥ निहिनंदहगकशद

मालकाज (हमे वध ॥ प्रथमो लिहायरा पाउंति
०३ ॥ ह्रिं पू दं हगक ॥ वा हा दं हगक गथा ह्रिं पू कि
इद्र मा ॥ जाग ॥ पह त्रिया ॥ जटि बाधा ॥ दान वन्तु
सुनिथराज दरव जह पुमराज ॥ जा हां जह द
हिगहा गात्र साधि सब पत्र माजिय नाहिना ॥ सब
पात्र दान वताज ॥ ये या र क ज न हं ॥ त्रि ज मति

प्रा ३

४

५

रतिस्तगहिननृपन्यायनाहिनयसगक्षकां॥

कृष्णनवाक्षयालाहामडानाडावक्रानलाहामध

न॥वाक्ष॥रहाग्रन्नाथमाग्राहिर॥थनरुष

नगालन॥थनगछाकृमानमाहादेवडाकृति

पनंडा॥मधमाहादेव॥रहाहकृगुमनहिय

रहाग्रन्त्रव॥वाक्षविश्रम॥माहा॥रहा

पुत्रगच्छामस्तुमस्तनापातिहायिकं जहियं नृवहस
इद्वकनतहं ॥ गच्छामस्तु ॥ नृहापिता नृवहस ॥ धन
गच्छामस्तु विष्णुमस्तु ॥ धनमाहाकृमाननहतः
क ॥ यत्र पापिमस्तु कृकं नृगस्तु नृवहस
किया सारलदखातातहं तिष्ठ ॥ कृष्णवल ॥ न
अद्विष्टिकासंगतस्तुमाजाहियेति गतिहागमति

३५
३५
७

६२॥ वलकृष्णमाहादवकृष्णमात्रशुद्धम् ॥ याग
सायंग ॥ पंचमान ॥ असुनारहमत्रिभ्रजिगक्ष
पुम ॥ अरवदखासजाजो नपापिताहि ॥ नजा
सिजसंवा नक पुमात्र ॥ सुअनु विदुमरा ॥ ६॥
धन नगनमीसाडाहावशकाज्जवाक्षिरापा ॥ अ
हीरुष्यहसनिहान मापुमदा नाविना अडात्र

नाहिउमदा नाह जिब्ब कनय कहं इह गति ॥
य ॥ **रूपू न इह तादत ॥ माहा ॥** ननु संकाने रूप
निविपू तां कयथाम ॥ गति सर्वपूति पूष्ट नाष्ट
संका वतमम ॥ अहा दाजि काना थहमा जाका
ठका अप जा वदमा कजिय यह बाधा सनका
हम नरवत नाहि के ला अमल जातहं ॥ **रूपू ॥**

प्रेलाक व्यापका नाथ अष्टिस्थिरपंगका जक ॥ २ ॥
तरुवनलाक अंबदहंसनक्षगाग ॥ ५ ॥ नग ॥ ६ ॥

अकुमाजमा हादवदथुस वाड कृष्णदिनंषजि

अ कुमायाकम ॥ जाग ॥ कोसिक ॥ वा ॥ हस जदक

म जादवमगुकेसंकजं ॥ जपजा धरुमा कीजिय

७५ पाजदहा ॥ १ ॥ गुपयक वलिभुवमगाकेसक

ॐ॥ सृजन्नुविद्रुमसाहदवन्नरागन॥२॥ **कृष्ण**
दिसर्व॥ अहा प्रेलाखनाथमजा अयाधदनाः
कीऊ॥ **बिब**॥ अहा द्वाजिकानाथग्रीरूपलोक
पुमलोकनहित्य॥ **कृष्णादि**॥ अहा प्रेलाखनाथ
अवच्छ॥ **कृष्णादि** ऊहासिस्विग्नम॥ **वाक्षदं वाक्ष**
अहा स्वामीग्नमाहादवमनिप्रुउरवादकमनी

पृथक्कांति संसर्गगतिदोक्त ॥ **निव** ॥ अहो ह क क
त्रिय ॥ **वा ६१** ॥ अजीपृथहमकांतापुत्रिउरवास
रिवचिउल रवासुलखातुमयिहां अयिये ॥ **५**
नहमदिपहं डाकुतिपनंम ॥ ५५ ॥ सर्व ॥ अहो स्वामि
मत्रिप्रक्षम ॥ **वा ६१** ॥ अजीपृथादिसवयिहां अ
यिकेनाहिय ॥ **सर्व ॥** अहो दानवजाउ अ व ॥

अहो अविचर ॥ अ निदं ॥ अ ॥

सर्वनाथं ॥ शिव ॥ अरु अरु निरु ॥ अरु निरु अरु ॥ अरु
लंका नगम मसखी साहिग उरवा लकन द्वात्रिका
माशा यिय ॥ ह म के लाण जात हं ॥ अरु ॥ अरु
स्वामि अरु व ॥ उरवा या लाहा जा नाठा वा क्षतं नि
यनं विथ अरु निरु का था ॥ उरवा ॥ अरु अरु लाक्क नाथ
पिगा दि सव ह मात्रि प्रक्ष म ॥ सर्व लि हाथ अरु नि

सर्व ॥ अहा दानिका नाथ सवह मा आप्रदाम ॥

हृष ॥ अहा पो प्र अनि उद्धवधु उर्यादियि हांड

आयि कज नहि य ॥ सर्व ॥ अहा दानिका नाथ

वब्ध ॥ सर्व नाथें ॥ निव ॥ अहा दानिका नाथ

गुमला क दा नका मा जायि यहन के ला सुजा गहं

धन कृष्ण दिदं सर्व ॥ अहा प्रे लाब्ध नाथ अ वब्ध

कजि क्षपापह न्या॥ यागभया जयनवतिह सराउक
जियेतिवए नशास॥२॥ प्रकां॥ भिव॥ अहारक मा
हांका तसवकेला सभा जाय वलिये॥ सर्व॥ अहाये ला
कनाथ अ वं अ विज कोऊ॥ द्वि कां सर्व॥ तिघु॥ माहा॥
अ वं अ जाय वलिये॥ ह्र॥ अहा अहा अगुअ अहा या
हा सव अ व ह म ला क हा जि का मा जाय वलिये॥ सर्व॥ अ
हा हा जि का ना अ वं अ विज कोऊ॥ धन हं पु दि धनि

५१
५२

काङ्ठां हथुम॥ नाग॥ वजाति॥ वा॥ धीजसवगा॥ प्र
उंदि कांसर्व॥ सिधु॥ कृष्ण॥ अरुवञ्च जाये॥ ल॥ धन
वृद्धि कृष्णपुत्रि कृष्णपिडा॥ वृद्धि॥ अत्रोसरिव सागवः
मिन्मावतिदरवारद्वजवाजवहासुमिसंन्यरुयात्र
वहगात्रीकागतिहत्रब्धिवर॥ यन्मस्वसंकनम्॥ जाग
प्रथमं कृषि॥ ख॥ हमात्रिजगतिरुयाकागतिम
त्रिशाङ्ग॥ काहं पादेकाहामि ललाटे हायजिवमये

५३
५४

प्राप्त नाथा ॥ १ ॥ अथ जपु नमस्तथा नमस्तथा गिनिहृदि
व ॥ अथ सितित्तु ननु विदुः महति नमस्तथा नमस्तथा
कृत्य ॥ २ ॥ **वृद्धिः** ॥ अथ श्रीसरिपतासातातिनमावतिय
हसंसाय अतिपहं मायादहया गितियज्ज्वतिरुज्जना
कजनेकां जायवतिथ्य ॥ **सुरयो** ॥ अथ श्रीस्यामिनिर्
वज्ज्वतिरुज्जकाज ॥ **धनं नमस्तथा नमस्तथा नातांभ ॥ नाग ॥ ३**
का ॥ वा ॥ हननस्तथा गितिनमस्तथा नमस्तथा नमस्तथा नमस्तथा

अ
५

नहि संसा जहं ॐ न हं आ ग ॥ १ ॥ मा ह्यदि हृषा गिर
तिहा वक आ सा व ॥ न पा ल पा नि मू न नु वि कु म सा हः
जा ऊ ॥ २ ॥ **कांडा द्वि कां स र्व** ॥ ति यु ॥ **पु द्वि** ॥ अ व ॐ अ
य ॥ **त** ॥ **ध न क वं धा दि डा भ** ॥ जा ग ॥ **रू पा लि** ॥ अ ॥ ह
ज ग ह स व पा नि जा य न स न ॥ ज ग न वा त ज म न क
मं स ज स र वा द ॥ १ ॥ स व क उ द ज पु नि म्मो स र वा डा ज ॥
२ ॥ ज ग न स र व लि २ अ ऊ जा य व लि य ॥ २ ॥ **लि ता डां ले**

थन नृकमि निहाप उप जिह्वा पप्रिडां विष्णु म॥ थन नृक
॥३॥ दिहा जिहाडा हथ म॥ नाग॥ वना लि॥ वा॥ धीज २॥
॥४॥ प्रकां दि कां उं म॥ थन नृक॥ नृजी एय नृक मति स एरा
मा॥ निहा दं॥ नृक निहाप॥ नृहा दा जिहा ना थह माजी
कोटि रसा कंग प्रक्षम यि हासन मा विऊ कीडा॥ नृक
नृजी एय नृव व॥ नृक वल नापे वां॥ नृव॥ नृजी ऊ
न नीह मा जा प्रक्षम॥ नृक मि मि॥ नृहा प्रगा दि यि हा

श्रीयिकजहिय॥ उरवावहीकसुर्व॥ श्रीजीऊननीश्वर
ॐ॥ सुर्वनापं वांडां॥ क्रिष्ण॥ श्रीजीएयपोगुवधु उरवा
वालायिलह॥ नृकमजिताय॥ श्रीहादात्रिका नाथश्र
वॐ॥ उही॥ श्रीजीपोगुवधु उरवादि विसरिबिबिहोश्री
यिकजहिय॥ उरवा॥ श्रीजीपितामहि श्रीवॐधमजापु
दास॥ उरवाहृतायनापं ~~क्रिष्ण~~॥ थनरुप॥ श्रीजीष्ट
यादिदानवलाकसंघाजकजीशनिनृदलेकनमा

लागायिधिर्जलात्तरधीनरधकविताकिलहजाक
जायिद्वयिका॥२॥**प्रकांकवि॥**अहालायिधिर्जलात्तर
दायिकामाजायैवालिय॥**धिर्ज॥**अहावनरलायिक
दिलालभ्रवठभजायैवालिय॥**द्विकांधिर्ज॥**तियु
कवि॥अवठभ॥**मध्विक्ता॥**अहादायिकानाथ
भजाप्रक्षम॥**कृष्ण॥**अहाभ्रदहमगुमकोनाहोके
हिय॥**निक्ता॥**अहादायिकानाथहमलाकका

अजि नाद सत्ताक सव अ इ न तं हा ज क नि ह म का
आन न्द रया ह म प द ति का वि त्वा त ह म ॥ **हृष** ॥ अ
हा क वि त्वा ल पु मा ना ल ह ना क हि य ॥ **कवि** ॥ अ
हा द्वा त्रि का ना थ अ व ठ ॥ **कवि** ॥ अ हा रा ग यि धि
ऊ ला त अ व ल ह ना क ह ग हं ॥ **अधि** ॥ अ हा
व ज र ग यि अ व ठ ॥ **लह जा हा य ध न के रि जं** ॥
अ हा द्वा त्रि का ना थ म यो पु द म ॥ **हृष** ॥ अ हा

कवि लोकागुमा नालहना सोह ससं पुष्टर यो यह
मृग त्रिलोक जाह ॥ उरु ॥ भरहा द्वाजिका नाम भ
वच्छ ॥ थ न कृष्ण नारवर्च विडां प्रक्षम या नाडा लिख्य
कवि ॥ भरहा रायि हेर नो भा शुभ मजा ये वा लिख्य ॥ प्र
कृष्ण दिक्का प्रप नं डो ॥ थ न कृष्ण दिक्क कृष्ण ॥ नाडा शुभ
बाद लया डो ॥ थ न कृष्ण नाडां राधा कृष्ण ॥ भर जी ए या दिक्का
हा ससं भवतु म लोका यत स सा न न नि एतं माया ज

पि
प
अ
५५

हं ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्व ॥ अहं
द्रोत्रिका नाथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसर्व ॐ नमो
हं नाडोम ॥ जाग ॥ व्याहागया ॥ ख ॥ पृथक् च लोक ॐ
आज ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ माया माह सर्वकादिक आता
व ॥ अनित्य संसार मानिक नमो हं नमो वा ॥ १ ॥ हं न
नुपिकुमसाह नपगुह जाग ॥ दिङ्ग वन नमो वा न

क
५
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

नृनंराडाक॥श्रनिष॥२॥प्रकांडद्विषांहरव॥सिषु
श्रवज्ज॥लू॥॥थनंश॥त्रतिम॥धनोउडी॥वो॥कने
हमश्रात्रतिनंउअत्रगक्षपतिपापमतिहत्रनायभा
ऊ॥सुहमतिधर्मदानिऊयगुमकनेसवहनुएनव
हमरावे॥१॥सुतिहगगतिक्षंश्रात्रतिगमवे॥कि
दीपवालिरावनेनिषगुनुपत्रहमसुनहारगुक्षरा

श्रीगुरुभ्यो नमः॥ नमोदिभ्यः॥ यागा॥ मा लडा॥ सात

मां॥ जयदवनटं॥ वज. लज्ज. इ. विमनि विरतिरुषि
त. जंगसुन्दर. ललितकटितत. कलितवंगवज. ना
गहाजसुसाज. जयदवरनटं॥ वज॥ सीससुजधुः
त्रि. अकलहमकयपिंजकअजटाधय॥ हनीतिः
नृपवज. नाथनिजंखतगालवृत्तसुवाज॥ धनः

जयदवन

५
५
५
५

माहादेवपात्रवर्तिगः ६६ ॐ कृमात्रसरिप्रव ॐ म॥
त्राग ॥ **हपाति** ॥ ख ॥ चन्द्र ॥ मत्रनामकत्रप्रव
ॐ ॥ पात्रवर्तिमहमिलि. कत्रविवात ॥ १ ॥ ग ६ ॥
ग्रत्रकृमात्रनत्रकत्रिआरु ॥ मत्रअनुविक्रमसाह
हननृपत्रा ॥ २ ॥ **माहादेवता** ॥ श्रीएथपाः
त्रवर्तिप्रशादिग ६ ॥ मत्रवत्रवहमह ६ ॥ यकवि ॥ म

कचतहं॥**सर्व**॥ अहास्यामित्रवञ्चविष्णुमकीरु
थनसर्वविष्णुममाहादेव॥ अत्रीष्टयादिगक्ष
वञ्चवहमात्रामाहमाककुकरुहसुनिथ॥**स**
र्व॥ अहास्यामित्रवञ्चआरुकीरु॥**माहादेव**
क॥ त्रिष्टूलपाक्षिष्टत्रिनेत्रधनवीरघातुवात्रीर
वधमाहसीगु॥ कलाञ्जवञ्चिचदिगं वयासिउमा

परिष्ठी ग्निव रूप धात्री ॥ अनीष्टयादिगोदासव
यत्तत्त ग्निव नाम महमस **सर्व** ॥ अहा स्वाभिवाग्वः
आग्वध कियाहं ॥ **पानवति** ॥ अहा स्वाभिप्रजिवि
नागिसु निरु ॥ **माहा** ॥ अनीष्टयकहि य ॥ **पानवः**
ति ॥ ऐमे जीप यासनष्टे च अनीष्टयसु न्यनीष्टि वा
पानवतीति विख्याता आगतव्यी महव्यनी ॥ ३

जीठ्ठा मीठु माजी भूती पि या जी या न व नि नाम ह म
मा हा ॥ श्री ए य पा व नि तु म य थ थ कि धा हं ॥ म
स ॥ अ हा यि ता म जा वि ना नि सु नि र ॥ मा ॥ अ हा पु
क हि य ॥ ग ॥ थ क द न स र्प क ही ग रु व कं गि ला वः
नं ॥ स र्व का र्य सु सि दि ष्ठ दा ना हं ग क्ष ना थ क ॥ अः
हा पि ता थ ग ग गं र क्ष ष ह म ॥ मा ॥ अ हा पु व्र ग र क्ष ष

गुमयथाथकैश्चाह॥**कृमाज**॥ अहापितामयावि
नतिसुनिज॥**मा**॥ अहापुत्रकहिय॥**कृमा**॥ अह
किहस्तजकवर्धमयत्रासनसंस्थिता॥ अहापुत्रगिय
रयाताअगमाहंस्तमादिना॥ अहापितायगतकृमाजहम॥**मा**॥
अहापुत्रगुमयथाथकैश्चाहं॥**सायि**॥ अहास्वामि
अवहमाजीविनतिसुनिज॥**माहा**॥ अजीसिखिक

हि या ॥ **सुखि** ॥ श्री जीव जस धी लाहू त व ॥ अवन न त त प न ॥
 अ ला व न ने ति वि र व्या ता आ ग ता हं हं हं हं हं हं ॥ अ हा स्था
 मि य ता त व सं क ह म ॥ **मा** ॥ अ जी म र वी गु म य ध अ थ कि
 छा ह ॥ **मा** अ जी ए य पा ज व ति पू ज ग ॥ अ कु मा न सः
 र वी सु ला व ना दि ग द स व न र व क ला अ मा जा य व लि
 य ॥ **सर्व** ॥ अ हा य ला क ना थ अ व न्ध वि रु की ऊ ॥ **प**

न सर्वदं के लाञ्छनं ॥ जाग ॥ श्री ॥ वा ॥ एवमत्र
 हि के २ के लाञ्छनं ॥ स्रजमनि के वज्रदि के कवि
 यमिमान ॥ ॥ स्रजं नु विक्रमसाह २ नृप वनशर
 मन्त्रमसहजिगमनक विरय के लाञ्छन ॥ २ ॥ प्रकां मा
 हाउं ॥ द्वि कां सर्व ॥ ग्रहा प्रलाक नाथ तिरुविज कीर
 मा ॥ श्री पृथादिग ६ ॥ सर्वत्र ॥ जायचलिये ॥ सर्वदुः

卷之五

शंख १॥ धन १॥ नृदिप्रव १॥ नाग ॥ श्री ॥ धा ॥ सु
 न नाड देव ग १ क न त प्र व १॥ ध तां ड व रु व न प नः
 न सी क सु व १॥ १॥ न पा ल रु व न प ति रा व १ रा ग तिः
 सु न न्द्र वि क्र म सा ह दे व गु ष ग भ वे ॥ २॥ म १ ध १ न्द्र रा षा
 म हा म शि र म व न्द्र हा कु व न १ १ न म शि र ग हा स व म
 व ह म ला क ह हा य क वि १ म क न त हं ॥ म १ ॥ म हा दे व

वाङ्मयं नु मयवज्जय विष्णुमकीरु ॥ **सर्वविष्णुमयं नु न**
राणा ॥ अहा अग्निजमादिलाकसवमयवहमाजामहिमाः
ककु कहत हं सुनिथ ॥ **सर्व ॥** अहा देव वाङ्मयं नु मयः
मय कीरु ॥ **हं नु यामहिमा ॥ शुक ॥** वनु धाजागा
नु दावजुपाहिमा लावनादव वाङ्मयं नु नामनराग
ता हं सु यज्जय ॥ अग्निजमादिलाकसवयगाहमहं नु

नामहम॥**सर्व**॥ नृहादव जाऊं नुचयथ थिआगम
कियाहं॥**श्रुति**॥ नृहादव जाऊं नुचयथ वरमां नाम
हिमाक कुविनातिकनहं सुनिज॥**ॐ नु**॥ नृहा नृ
गिबुमकहिय॥**श्रुति**॥ कागम सनव किहसुप्र शाल
तासुनयति॥ सपुजिहाच श्रिनाम आगताहं रूपीतय
नृहादव जाऊं नुचयताहं नृगिनामहम॥**ॐ नु**॥

अहा लूग्रियथार्थक धाहं ॥ **राम** ॥ अहा देव जाऊं उं नु
अवह मा नामाहि माक क्विविनातिक जतहं ॥ **ॐ नमः** ॥ अहा
राम जाऊं नु कहिये ॥ **राम** ॥ काले दउ धेवाही मद्र
ष पापिंपु पाति गा न न कषूय मा नाम आगता हं कृतांत
क ॥ अहा देव जाऊं उं नु यता हं राम जाऊं हस ॥ **ॐ नमः**
अहा राम जाऊं मयथार्थक धाहं ॥ **वनू हा** ॥ अहा देव

नाऊ ॐ नु श्वहमात्रा महिमा ककु विनातिक जाहंस
निक ॥ ॐ नु ॥ अहाव नृक्षपुमक हि य ॥ वन ॥ खगम हात्र
हहात्रका वात्रि वासि. सत ॐ नु तक्रावती वात्रि धीप ॥
हहा सफ धात्री श्रवा पा ॐ पाहि अहं आगात ॐ श्री वनृक्ष
रुनामा ॥ अहा देव नाऊ ॐ नु यताह ॐ वनृक्ष नाम हम
ॐ नु ॥ अहाव नृक्षपुमयथार्थक साहं ॥ कव ॥ अहा दे
व नाऊ ॐ नु श्वहमात्रा महिमा ककु विनातिक जाहंस

निऊ॥ॐ॥ नमो॥ अहा कुवेजगुमकहिय॥ॐ॥ हयाज
डागदापाहि धनदागुमकॐ॥ अहा कुवेजनामविः
ख्यातागताहं धनाधिप॥ अहादवजागुमकुयः
ताहॐ॥ अहा कुवेजनामहम॥ॐ॥ अहा कुवेजगुमय
थार्थकदाहं॥ॐ॥ अहादवजागुमकुयः
हमा नामहिमाककुविनतिकजतहंसनिऊ॥ॐ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

गद्यसुवचवहमात्रा ~~क~~ क अहना जाऊ अम
जापुत्रिमात्राय वलिय ॥ **सर्व** ॥ अहोदवनाऊ वृः
न्य अवञ्चविक्रकीऊ ॥ **सर्वदं अमजापुत्रिमात्र** ॥ जा
ग ॥ कदाजा ॥ **प्र** ॥ अमजापुत्रिमात्राय वलाऊमाः
दिय ॥ ऊनमिलिमननह विधाद ॥ अमजा ॥ १ ॥ स
चन्द्रविक्रमसाहरदवगुहागद ॥ हमात्रिवास्तनह

XXXX

हृदयहम

धत्रिधावे॥ अमत्रा॥ २॥ प्रकाउं॥ दि कासर्व॥ अहादव
 नाशूँनु सिषु विरुकीरु॥ ०००॥ अहा अगिंरुमा
 दि लोकसव अरवञ्च जायवतिय॥ सर्वइ इल्ल॥
 थममदेव केलाञ्जथं बुधुम॥ नाग॥ श्री॥ वा॥ पृथ
 हसनसहिक॥ प्रकांदि कांउं॥ मधमाहादव॥ अनीपृ
 यादिगाठासव अरवहम लोक केलाञ्जमाशाठुपइव

सहायक विष्णु मकरतहं ॥ सर्व ॥ अहाष्टे लाव नाथ
अवच्छिन्न विष्णु मकीरु ॥ थनसर्व विष्णु मपनिष्कपं
इति ३ ॥ थनवा एतसु नादिप्रवक्ष्याम ॥ जाग जाग विज
य ॥ पत्रिमांवाधि ॥ दनुज वा एतसु कजगप्रवक्ष्याम ॥ पः
विगद्य सुवमिलिजिपुष्पककैत्र ॥ १ ॥ निरुगद्य संग
त्रियजसुहसशाय ॥ सुनविज पत्रिगद्य रुयंकजरे ॥

५
५
५

म० ध वाक्ष सूत्र॥ श्रीपृथादिगक्षसुवश्वहमलाक
इक्षयंकविष्णुमकनतहं॥ सुर्व॥ शहादानवनाऊ
वाक्षसूत्रश्वयज्यविष्णुमकीरु॥ सुर्वविष्णुमवाक्ष
श्रीपृथादिगक्षसुवश्वहमाजामहिमाककुक्कहत
हंसुनिय॥ सुर्व॥ शहादानवनाऊवाक्षसूत्रश्वयज्यकी
रु॥ वाक्ष॥ वीजासूत्राक्षप्रहिमानक्षपूजनाविहति

एवं रयं रवे उका ज ॥ द वा सु जा क्षं प्रणि पा लि नि रयं वा क्ष
सू जा हं सू ज वी ज ना मा ॥ श्री पू या दि ग क्ष स व य गा ह
ॐ वा क्षा सू ज ना म ह म ॥ **सर्व** ॥ श्री हा दान व जा ज य थ
थ श्री ग म कि या ह ॥ **हम** ॥ श्री हा दान व जा ज श्र व ह मा या
म हि मा क कु कि टा गि क ज त हं सू नि रु ॥ **बा** ॥ श्री पी पृ
य गु म क हि ये ॥ **हम** ॥ प्र नि वृ ता ध र्म वा जि का म ला गी ॐ

रूपिनी ॥ ४४ न्दुतडावरीकांतितपृयाहं समाद जाग
अहाप्राक्षवेल्लहायताहृष्टा तुमा जी अगीपियात्रिहं मका
कानामहम ॥ वाह ॥ अजीपयउमयथार्थक धाहं ॥ ज
॥ ६१ सूत्र ॥ अहापितावाहम सूत्र अवहमा जामहिमा कः
कुविनतिकनगहं सुनिऊ ॥ वाह ॥ अहापुपउमकहि
या ॥ ज ॥ ६१ सूत्र ॥ धनूर्विद्याविदां ॥ अष्ट काटवद्गुह्या

नक॥ माहावीजवलि ॥ अष्टागोत्राहंतवात्मज॥ अ
हापितावाक्षसूत्रयतादृशज ॥ अष्टसूत्रनामहम॥ ३
वाक्ष॥ अहापुत्रज ॥ अष्टसूत्रगुमयथाथकक्षाहं॥ वी
जासूत्र॥ अहापितावाक्षसूत्रअवहमाजामहिमाक
कुविनतिकजगहंसूत्रिज॥ वाक्ष॥ अहापुत्रगुमकः
हिय॥ वीजा॥ ॐ अष्टमाहावीजमायुद्धबनात्रि
या

ॐ नमः ॥ समर्थं हं न रक्षयुः शुभ्रागता हं न वा तमजः ॥
अहापिता येता इति वासुनामहम् ॥ वाह ॥ अहापुत्रः
पुमयथार्थक द्वाहं ॥ कंरु ॥ अहादानव जातु वाध
सुजश्वहमा जामाहिमा ककुबिनगिकजगहं सुनिरुः
वाह ॥ अहामानि पुमकहिया ॥ कंरु ॥ जातु कार्यवि
दोः अष्ट नव रत्ना नृयापहा ॥ माहावीर नव मंघ्रिना

गताहं नृपपुत्र ॥ अहादानव जाऊ वाछा सुनय नाइअ
के लाछु मंगिनामहम ॥ **वा** ॥ अहामंगिकुं लाछु
मयअर्थक धाहं ॥ **बुद्धि रूप** ॥ अहादानव जाऊ वा
छा सुन अरुहमाजीमाहिमाकि कुविनतिसुनिऊ ॥ **वा**
छ ॥ अजीमंगिसुति तुम कहिय ॥ **बुद्धि** ॥ कमलपत्र
वयालादतवदास्यतिवअनि ॥ **बुद्धि रूपतिविरथा** ॥

नाशागनाहंमयाप्रहा॥ अहोदानवजाइयताइअव
द्विकूपनामहम॥ **वाक्ष**॥ अजीमं प्रितिगुमयअथ
कक्षाहं॥ **जमावति**॥ अहोदानवजाइअवहमाजीम
हिमाकि कुविनतिकजतहंस्त्रिनिज॥ **वाक्ष**॥ अजीम
रिवगुमकहिथ॥ **जमा**॥ हंमजतनेवयालाइतफका
वनवीतिव॥ जमावतीतिविरयाताशागनाहंममा

दया ॥ १ ॥ अहा दानव नाडय ता दृष्टमावति सखि हमा ॥
वा ६५ ॥ अजी सखि गुम यथा धिक था हे ॥ ॐ हा वति ॥ =
अहा दानव नाडय ग्राह मा जी माहि मा ककु विनति कजा
हं सुनिऊ ॥ वा ६५ ॥ अजी सखि गुम कहिय ॥ ॐ हा ॥

अः

विहांद॥ शहादान जाऊ वाधा सुन शवह माया माहि मा
ककु विनतिक जत हे सुनिऊ॥ वाह॥ शहाविहां उम
नि तुम कहिय॥ विहउ॥

शहादान व जाऊ वाधा सुन
यताइ॥ विहां उमं प्रिहम॥ वाह॥ शहाविहां उमं प्रिहम

यथार्थकक्षाहं॥ **बीजदंतदं**॥ ग्रहादानवयाजवाक्ष
सूत्रवहमाजामहिमाककुविनतिकजतहंस्रनिरु॥
वाक्ष॥ ग्रहादानपालगुमकाहिय॥ **बीजदंतपलाकः**
कमहिमा॥ द्वात्रिंशतिरित्येषु प्रयुक्तं मांसं लघुं कात्रं
कटुं तंदंतं क्रादं कात्रं बीजदंतं नाम धात्र्यं॥ ग्रहादानव
याजवाक्षसूत्रयगाहृणबीजदंतद्वात्रपालहम॥ **वाक्ष**॥

श्रहादानपालवीजदंतगुमयथार्थककाहं॥**विष्णुद**
कंदहृत्पाय॥ श्रहादानवजागवाहासृजश्रवहमाः
नामहिमाककुविनतिकजतहंसृनिज॥**वाहा**॥ श्रहा
दानपालगुमकहिय॥**विष्णुपल**॥**ककाहिमा**॥ द्वा
पं॥**निंक**रं निपंडुं कात्रं मयं पानं॥ काटं नगुं
कं हीमं निषुं दंतं नामं वीजं॥ श्रहादानवजागवाहा

सूत्रयगादृग्गद्वात्रपालतिष्ठदंतनामहम॥ वा ६५ ॥

श्रीहोद्वात्रपालतिष्ठदंतदुमयथाथकिष्काहं॥ वा ६६ ॥

श्रीत्रिपुयहमकांताप्रप्रज॥ होसूत्रवीजासूत्रमंति
कंतादवितोदमंतिमंतिवृद्धिकूपसूत्रवी॥ ७५ ॥ रावः

मित्रमावतिद्वात्रपालवीजदंततिष्ठदंतश्रीडात्रग
६५ सवश्वहम॥ काकश्वनात्राश्वनिगतपूत्रजाय

वालिथय॥**सर्व**॥ अहा दानव जाऊ वाधा सून अ वध
विऊ कीऊ॥**सर्व** दं थ श न ग न डों म॥ जाग॥ पह नि
या॥ प्र॥ न स ह म ज यि य स नि त पू न भ्राऊ॥ त्रिपुऊ नः
वध क न्ह म जाय॥ १॥ पा ज ग ह जाय न स र मि ल॥ २
स न नु वि क म सा ह द व न ह न ॥ २॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥
प्रकां उ॥ दि कां **सर्व**॥ अहा दानव जाऊ वाधा सूनः

प्र
स
ह
म

ऊँ नमः सर्वव्यापि विष्णवे ॥ **धनसर्वविष्णवे**
ऊँ नमः ॥ अहा अग्नि जमादित्य कसव अहमलाः
 कमानन्द सायहि नहतह ॥ **सर्व** ॥ अहा दवजा
 ऊँ नमः सर्वव्यापि ॥ **सर्वविष्णवे** ॥ **लज्ज** ॥ **अन**
बी ॥ **आस्त्यादि सर्वव्यापि नगपथं हयूम** ॥ **जाग** ॥ **प**
ह **निरिया** ॥ **प्र** ॥ **न** **सहम** **जायिय** **स्वनि** **तप्** **न** **श** ॥

प्रकांदि कां उं म (धवा हा ॥ भूनी पृया दिग हा सब
श्वहमलो क भू ह ना ना रु स्व नि त पू न न रा थि प
इं धर हा थ क विष्णु म क ज त हं ॥ सर्व ॥ ग्रहा द
न व ना रु वा धा स न न र्ध विष्णु म की रु ॥ सर्व ॥
विष्णु म वा धा ॥ ग्रहा मं त्रि पृया दिग हा सब पु म ला क
न ना रु का च धा का रि के सा व धा न हा थि क ज हि य

रमणी श्री माहादेवको तपश्चाक जलदाको जाय रहाः

सर्वदं हाषा सर्व ॥ नृहो दानव जातु नृव गंधर्विकुको

ॐ हमाजीप्रक्षाम॥ सर्वविघ्नमावाहय॥

म॥ आग॥ व्याहृक्॥ प्र॥ जय नृसिंहाय नमः ॥ जय नृसिंहाय नमः ॥

गुरुहम॥ गुणपत्रमन धात्रिगुणपदग॥ द्वा॥ द्य

जनसर्वकाङ्क्षिरुज्ज्वलमश्रु ॥ १ ॥ मनरुजिबजय

वाता॥ रं
 हाज्जनह
 न्दश्वह
 मञ्जीमा
 दवकात
 पञ्चाक
 नक्षत्र
 शतह॥

५५५

निनिनियग्रहगता ॥ का हि र वां हि त व ज हा यि म
रु ॥ य न रु न ॥ २ प्र कां उं दि को ॥ अ हा रु न रु न्द रु व ह
मा सि धु जा ग हं ॥ ह म ॥ अ हा पुं श दि ग हा स व रु व ह
म लो क दान व जा रु का स मा वा य वृ मि य हि न ह रु हं
स र्व ॥ अ नो मा हा जा हि ह म का ता रु व रु य ॥ य न म
वृ प नि रु पं रु डां ॥ लं रु ॥ अ न रु मि ॥ जा ग ॥ लो रु मि

श्री गणेशाय नमः

दशमोऽध्यायः

वा॥ श्री गणेशाय नमः ॥ हविर्वा श्रुतिर्वा ॥
०५ न हविर्वा नावतिरवत्तत आचति लीज ॥ १॥ धान
तिहावितनपात्वम ॥ ह्यनुविक्रमहाचपद ताव
श्रुतिनीतिजकागजिज आचतिरवत्ता ॥ २॥ उति
०॥ रागवर्तमाहापूजा ॥ दसमस्कंद प्रथमं का
अर्थद्वितीयनादिम ॥ नाग ॥ हेजव ॥ प्र ॥ दशमहगता ताव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

इति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गमनसिद्धिदो
गावेदं हसयकदं विद्यनविना ॥ १ ॥ दर्शा ॥ १ ॥ मे नि
हृत् भक्ति ॥ १ ॥ शिवा तावकजतनिषया ॥ १ ॥ गदना
ऊहमन्त्रगजगना विष्णु हृत्तनूपका ॥ १ ॥ दर्शा ॥ १ ॥
थन उखा ॥ १ ॥ लंका ॥ १ ॥ पिशा विष्णु ॥ १ ॥ उखा ॥ १ ॥ श्री सरवी ॥
विष्णु लखा ॥ १ ॥ लखा ॥ १ ॥ वहा ॥ १ ॥ श्री माहादेव का ॥ १ ॥

महन्ना जडोभा

दसां असेंगा विद्यावीहमादिअकल निपुन हया अर्धपिता
वाहमासूनकादयअनक जलधकां जाय बालिय॥ **सुरवा**
अजीजी जाइकुमा निअवअध विऊकोऊ॥ **उरवादिदं स्व**
नितापूज अंभा॥ जाग॥ **बलावज ॥ प्र ॥** सरिवऊन सब
मिलिपिपुगृह जाय निअक लदयवा जअज॥ मनमा
सनसक निपिपुयज जाय २ सरिवऊनका निअवज संस्क

सविपुत्र

त्रिमनपिकाद्यत्रज्ञायकदत्र०१नेकत्र०१६०कोशा॥॥
सूत्रेन्दुविक्रमसाहचर्यगृह्यगम्यसर्वज्ञनदत्र०१नेक
॥॥मनमात्रसहजिविबुधत्रज्ञाय,धीय२कत्रिवत्त्र०१
हरगमनदत्रवानत्रज्ञायकवा६॥सर्वसंवाक्यत्र०१॥
प्रकांडेद्विंशत्यो भूमीजीवाश्चक्रमाविति बुद्धिर्ज्ञकीर्ण॥
उषा॥ भूमीसरिव भूवर्धयज्ञायवर्धये॥ इति॥ ॥ वा६॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सुजगतावनभं ह धूम ॥ नाग ॥ व्या ॥ प्र ॥ इय नृप नाट ॥
न ॥ प्र कां डं वं ॥ अहा जन ह नृ अ व ह म श्री मा हा द व
आ या ध ना क न र ह ॥ वि ॥ आ म न प ॥ पा क ॥ ॥
के ला ॥ अ भि र व ज वा भि र क्ता नु य ह का न क ॥ व जं द स
अ म द हि का ट ॥ अ य न म स्तु त ॥ अ हा रु क्ता ल श्री मा
हा द व गु मा ना व ज ह क म ल मा हा स्तु ग प्र ॥ अ म ह म का

मानदपेइति माहादव उप जिहपेपिउ

सं
वि
त्र

दजलनदीज॥ बाधग्रनंवा॥ धनमाहादवडाभ॥ नाग
सिंदुजा॥ वा॥ सवितदानव विक्षितवनदातुंगकाभिर
राज॥ मनककामनाभपनरावनाकनिजकावद्रविः
धिरावमननथपूजहकजे॥ १॥ सपातलकगुपतिनरप
गूक्षसुत्रन्दुविक्रमसाहनेरण॥ सृष्टपुननवालिनिधय
मकाहाविनिकनिनकातीतिग्यनरावनिजकुलसंभव

मधुने॥२॥ **प्रका॥** अहाजनहृन्द अरु हसवा दामरुनका वन
दानदनेकां शातहं॥ **द्विकां॥** अहाजनहृन्द अरु हसतिः
पुजातहं॥ ^{माहादेव उवाच॥} **ॐ नमो माहादेव॥** ^{माहादेव उवाच॥} अहा रुक् वा दामरुन उ
टिष्टा उटिष्ट॥ **थनवा दामरुन दंवा दाम॥** अहा श्रीमाहादेव
गुमा ना वन दामरुन लामा काटि र पु दाम॥ **माहादेव॥** अहा
रुक् वा दामरुन गुमा ना रुकि ला वलं हस सं पुष्ट हया दामः

ॐ ह्रीं श्रीं व न ल ह ह म द ग हं ॥ वा द ॥ अ हा श्री प त म ॥
न मा हा द व अ व म श्री वि ह की व न मा ग न का पू ज क न
ग हं ॥ मा हा ॥ अ हा ह क गु मा नि ठ ह द क त्रि थ ॥ य न ह
न मा ला जी ना डी वा ॥ ह न न ह ॥ या क द्रा पा या ग ॥ ३
स्वा न मा ला त या षा रा षा द्रा य ॥ अ हा श्री मा हा द व अ व ॥
म या म न म त्रि ह व न वि रु थि क न ह द का ठ ह ना हा ग ह

हमा आसह्य बाहुक निम निद न वा न मा श्रु जहि कयला
क विरुयी ठू ह व न दी ऊ ॥ माहा ॥ श्रु हा त क वा द्या ह नः
न था सु श्रु व ह म श्रु न ध्या न हो त हं ॥ वा ॥ श्रु हा प ज म
स्व न म आ प्र द्या न श्रु व क थ विरु को ऊ ॥ माहा ॥ श्रु हा न
न वृ न्द श्रु व ह म श्रु न ध्या न हो त हं माहा दे व श्रु न ध्या न
इ ठा ए व क ति प नं ठां ॥ थ न वा द्या ह न न व न क या डी

उ
र
म
प

थडाकडांनिहानभ॥ नाग॥ पहनिया॥ पत्रिमं॥ हन
षमनकनिक निरुधनजाय॥ सवजननसहिकः
हमश्रवधमाहादवात्रिअकजिभारयगया॥
बाहमसुनहमजायहनपिहाराज॥ सुनेन्दुविक्रः
मसाहनपगुहागमधसवजनमिलिकनितुगुहा
गमध॥ २॥ वाहा॥ अहाजननन्दश्रवहमभइनाजा

विष्णुपत्र

रुक्मानि तपू न ज्ञातहं॥ **द्विकों॥** ग्रहा रुन ह न्द अ व
हम सिधु ज्ञा तहं॥ **लूर॥** थ न हू पू दि सु र्व पु व ॥
म॥ जाग॥ **सा जंग॥** य क ता त्वि ग म ला॥ विष्णु पु रा ज
का स ज स कि या स न्द ज ए थि वि ह मा त्रि॥ ग द कि
था २ प ज द ॥ ना वि त मा ह न स कि या जंग ति नि प मि
रु रा त्रि॥ १॥ पंथ पु मान का युं न्य स हि हा स न्द त्रि न्द प

गिस्कावि॥ यात नीथो २ प ज ह ब ह वि नी सा प न म दि ला
सु ज न्दु नि प पु ग म नि ॥ २ ॥ **रुषू** ॥ अ नी प य ज क मि नी
स ल य रा मा र ना क स व अ व ह म लो क द द य क वि ष्णु आ म क
न त हं ॥ **सर्व** ॥ अ हा दा जि का ना थ ष्ठी रुषू अ व ष्ठी वि
ष्णु म की ड ॥ **सर्व वि ष्णु आ म क प** ॥ अ नी प या दि ग द स
व अ व ह मा ना म हि मा क क क ह न हं स नि य ॥ **सर्व** ॥ अ

हा द्वात्रिंशत्नाथकृष्णवर्चःशङ्खकोटिः॥ **कृष्णः**॥
मयूजकंठे वनूपवदनाञ्जीवकलां गगनगमाचः
जैति॥ कं ० पुमात्वावनमात्वमात्वादेत्यादिनाञ्ज
कनख्येकविह॥ अञ्जीपयादिगहासवयततृषत्रा
कामीकृष्णनामहम॥ **सर्व**॥ अहा द्वात्रिंशत्नाथञ्जी
पुयथाथशङ्खकिंयायाहं॥ **ब्रह्मिनि**॥ अहाप्रादाः ३

नाथ श्रवहमात्रा माहि मा कि बुदि तत्तिक नगहं सुनि
ॐ ॥ **कृष्ण** ॥ श्रीपृथगुमकाहं य ॥ **शुकमिनि** ॥ ७१६
श्रीसुवात्री श्रीका मलांगी श्रीमां पयात स्थिता
रुपुधर्म ॥ ७१७ ॥ इत आ श्रीरूपवां नित वसिः
पयातिस्ती नाम नृक मिनी ॥ ७१८ ॥ श्रीदाजिका
नाथ यता ह ७१९ ॥ तुमा जो पृथगुमका मिनी नाम ७२० ॥

१०
हृष्ट ॥ श्रीपृथ्वीकमिनीपुमयचार्थकध
एतामा ॥ ग्रहास्वामिद्वाजिका नाथ ग्रवहमाया
माहिमाकिं कुविनतिकजगहं स्रजिः ॥ हृष्ट ॥
श्रीपृथ्वीपुमकहिथ ॥ स ए ॥ प्रवन्दु गङ्गा महिनि
तुनरुर्ध्वप्रसाहिगाक आजिकामलंगीतुवदः
सिरुल्यवपाञ्जी ॥ नृपितवपृया नमिञ्जी सुतीः

संख्यतामा॥ अहास्यामिदात्रिका नाथयता इठमकुमा
जीएयसखतामा नामहम॥ **रुक्**॥ अजीएयसु
यतामागुमयथार्थकदाहं॥ **वलरुद**॥ अहाता
पूदात्रिका नाथ श्रीरुक्म अवाहमा नामहिमाककु
कहताहं सन्निथ॥ **रुक्**॥ अहाजुष्टराताकहिथ॥
वल॥ म्रष्टिप्रहायताविनाथकाकांजीप्र

व्यावदनातिवात्रु॥ रुक्मा जना नो वन दाद न
यज्ञा हं वल रुद्र नामा॥ **रुक्मा** रुक्मा रुक्मा रुक्मा
अवल रुद्र नामाहम॥ **रुक्मा**॥ रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा
वचन किथाहं॥ **प्रयुम्ना**॥ रुक्मा पिता द्वा त्रिका नाथ
श्री रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा
निरु॥ **रुक्मा**॥ रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा रुक्मा

नवाङ्क बलवी नरान्द्रवः नम्यात्मज्ञा विप्रथसा न
थीया ॥ प्रशागताहं प्रप्रयु म्ना नामा महन्दुहग्याप
तिवी नवाङ्क ॥ अहापिता द्वा विवा नाथ ॥ अहं प्र
नाह ॥ नवप्रप्रयु म्ना नामा महम ॥ **हृष्ट** ॥ अहापः
प्रप्रयु मनगुमय ॥ अकिष्टाहं ॥ **अनिन्द** ॥ अ
हापिता मह ॥ अहं प्रप्रयु म्ना नामा महम ॥

विनातिकजगहस्रनिक॥**ह्रस्व**॥ अहाय
कहिं॥**अनित्रुद्ध**॥ प्रश्ननामापिगुम
श्रीसुश्रीलनका कालनवपु॥ विख्यातः
नामास्रन॥ सकात्रीश्रीह्रस्वपोत्रनित्रु
द्धनामा॥ अहापितामहश्रीह्रस्वयगाह॥
गुमात्रीपोत्रनित्रुद्धनामहम॥**ह्रस्व**॥ अ

हापोत्रश्रुतिर्द्रुमयथार्थकश्चोह ॥ **जय** ॥
हादात्रिकानाथः श्री कृष्ण श्रवहमा नामाहिमा
कृष्ण विनक्ति कनकं सन्निह ॥ **कृष्ण** ॥
यद्रुमकहिय ॥ **जय** ॥ नयदाप्रस्थिता निर
आपाहिमा हावलि ॥ कृष्ण नामातिविश्व
गगाहं मा हास्रन ॥ श्रहादात्रिकान

पू यतां अप जाकमी श रुका दानरा-
नामहम॥ **रुष** ॥ अहा दानपालकयः
थिफ साहं॥ **विजय**॥ अहालक्षिपनिहा
काना थ अरवहमा जा माहिमा कव वि नहि
अतहं सुनिजे॥ **रुष** ॥ अहा दानपालगुम
कतिथ॥ **विजय**॥ अस् जाननो अका लेष

नता विरहश्च न कथय ॥ दिङ्गु या नो ना विरह्य

ना शशांगी हं स ना दजा ॥ अही लक्ष्मि पात

दात्रिका नाथ यता हं विज्ञायना न

कृष्ण ॥ अही दा नपाल विज्ञाय पुनर

हं ॥ ^{गुरु दया मणि} कृष्ण ॥ अही

गुरु वल्लरु दपु

ऊयभ्रडा नगाह सवश्रवह
धवलिया ॥ **सर्व** ॥ श्रहा द्वा जिक्का
विज्ज की ज्ज ॥ **सर्वदं** ॥ ध नक्र ध्वा दिर
म ॥ नाग ॥ बलाजि ॥ **वा** ॥ धी अर स
का भाजाय ॥ स्रज बीन धीन ध्र उ प म ड
क अ हं मजाय ॥ १ ॥ श्रग मका द्वा

पृष्ठ २ म

सं ५५६॥ सुप्रबुद्धविक्रमसाहस
सहं हसजाय॥ २॥ प्रकांडं वि
त्रिकानाथ श्रीरूपुल्लिख
जीएयादिगहसवत्रव
यनकुंदादादिउपनिषदपि
सुप्रभा॥ जाग॥ हयम॥ प

सुप्रभा

नमः मन्त्रकानि कलि उ० ॥ ३ ॥
॥ ध्या॥ वक्ष॥ ॥ श्री जी पृथ हंस कां
सर्व॥ ॥ श्री हा दानव ना हा हा
हम मायि हां सन मा नि उ०
हंस कां तादि सर्व श्री व
॥ ॥ श्री जी पृथ हंस कां ता

अवर्षाश्रीमा हादवको म
ऊयी वनलक ज आहं प
क जत ह॥ **सर्व**॥ अहं
धं न्यरतुम अवगंध विगंध

म॥ थन सहि स हि त अर
ला उा ज॥ **प्र**॥ सहि द न न न

कु
सा
र
क

कांतुं म ८५॥ उरवा ॥ अहं

ननु मा जाव न हा काम

धाम ॥ वा ८५॥ अ जीषु

लेखासु लेखायि हं

अहं पि ता अ व ८५॥ ८५

८५ म ॥ वा ८५॥ अ जीषु

सबसावधान होयिक

हादवकापुष्पादसां

कज(६)काजानहं॥

वेनाऊऊअथविज्ञकी

जनसर्वदं ह हाथका॥ ३

सुचमंगिकं हांदवि हांका

दां नृवहमलाकम्
क (६) कां जाय वलिय
वा क्षासु नृववम्भु
आदिशुद्धां मा॥ जाय
नमिलिवलियजक्ष
जाय॥ वयत्रिक उपज

प
व
व
पि
न

सनप्राहात्रिकुदात्र ॥१॥

पूजनमात्रप्रतिहवनकि

दुविक्रमसाहस्य

कत्रश्रावि॥२॥ प्रक

आरुश्रवण्यद्युदिक

हसवश्रवण्यजा

दिशंगपूजडांम॥ सा

सवश्ववहमलोका

श्रीमाहायाहोम

शंगपूजडांम॥ जा

खमाजायवलोमंगपूज

ऊनमितिनदंकजि

दानवनीशकेसमावाजवृत्तिकराया॥

य
प
व
॥

उं द्वि कां सर्वं ॥ श्री श्री श्री श्री

श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

प न क ष ॥ श्री श्री श्री श्री

श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

८५ क ष ॥ श्री श्री श्री श्री

व श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

॥ श्री श्री श्री श्री

विष्णुमकनमः॥

वृद्धविष्णुमकीकु॥

नृकमिन्त्यादिगुडा

नन्दसोयहिंनह

थग्वृद्ध॥ सर्वपाप

पत्रिहृषोपिडाविष्णुम

स
व
य
जि
ने

डाहभूम॥ जाग॥ सामय
प्रकांदि कांमच्छ
क का सां मांश्च नि
दि लाक स वायि ह
शुद्ध कात्रिथ डिटि
शुद्ध नु श वज्र॥

लाकका हांतां
वाध॥ ग्रहापुत्रा
धनवहायिक इह
नाश नृवन्ध॥ संध
इमादिगहसव
कइहकजिय॥

ॐ ॥ हृदाय सर्वं हन
गदा देव्यगदादा

गिरुमादि लोका

त्रियहमशुद्धक

हूनु नु वग्या ॥

नु ॥ अत्र वा पा